तापमान
अधिकतम 22 .2 डिग्री
न्यूनतम 0 .2 डिग्री

हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, शुक्रवार 16 जनवरी 2026

9 नॉर्थ जोन महिला टेनिसः पंजाब यूनिवर्सिटी..

10 एचएसवीपी सेक्टरों में खाली प्लॉट बने मुसीबत...

गणतंत्र दिवस से पहले शहर में सघन जांच अभियान, आम दिनों में सुरक्षा पर सवाल

26 जनवरी व 15 अगस्त जैसी सुरक्षा व्यवस्था रोजाना हो तो सच में क्राइम फ्री हो जाएगा शहर, लोग बोले-सिर्फ चालान काटकर खानापूर्ति से काम नहीं चलेगा

रोहतक। अगर 26 जनवरी और 15 अगस्त जैसी सुरक्षा व्यवस्था रोजाना हो जो शहर सच में क्राइम फ्री हो जाएगा। ऐसा लोगों का मानना है। लोगों का कहना है कि पुलिस को सिर्फ चालान काटकर खानापूर्ति करने की बजाय ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा के साथ काम करना होगा। फिर सिर्फ कुछ मौकों पर ही अचानक चेकिंग अभियान चलाने की जरूरत नहीं पड़ेगी और शहर भी सुरक्षित रहेगा। राष्ट्रीय पर्व आते ही सड़कों पर नाके लग जाते हैं, वाहनों की जांच शुरू हो जाती है और संदिग्धों पर पैनी नजर रखी जाती है। लेकिन जैसे ही ये दिन गुजरते हैं, वहीं सख्ती और सतर्कता भी गायब हो जाती है। पिछले कुछ दिनों से रोहतक में हत्या, लूट, चोरी, मोबाइल स्नैचिंग, ऑनलाइन ठगी और फिरौती जैसी घटनाएं बढ़ी हैं। आम दिनों में पुलिस की मौजूदगी सवालों के घेरे में है। क्या अपराध केवल राष्ट्रीय पर्वों पर ही होते हैं, या फिर बाकी दिनों में पुलिस की निगरानी कमजोर रहती है।

हत्या, लूट और रंगदारी मांगने की घटनाएं बढ़ीं कई मामलों को तो ट्रेस ही नहीं कर पाई पुलिस

26 जनवरी और 15 अगस्त से पहले शहर की तस्वीर अचानक बदल जाती है। सड़कों पर नाके लग जाते हैं, पुलिस की गाड़ियां लगातार गश्त करती दिखती हैं और आम नागरिकों को भी सख्त चेकिंग का सामना करना पड़ता है। लेकिन जैसे ही राष्ट्रीय पर्व संपन्न होते हैं, वही सड़कों पर पुलिस की सक्रियता सामान्य हो जाती है। देखने में आ रहा है कि रोहतक में हत्या, लूट, चोरी और रंगदारी मांगने की घटनाएं बढ़ी है। अब तक कई मामलों को तो पुलिस ट्रेस ही नहीं कर पाई। सरेआम चेन स्नेचिंग की घटनाएं सामने आती है और पुलिस मूकदर्शक बन जाती है। ऐसे में सिर्फ खास दिनों पर ही नहीं, सामान्य दिनों में भी पुलिस को सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। तभी शहर सुरक्षित होगा।

वाकई क्राइम फ्री है शहर?

पिछले कुछ महीनों में शहर में लूट, चोरी, मोबाइल स्नैचिंग, ऑनलाइन ठगी, फिरौती और मारपीट की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। व्यापारियों से रंगदारी मांगने के मामले भी चिंता बढ़ा चुके हैं। इन घटनाओं के बाद यह दावा करना मुश्किल हो जाता है कि शहर पूरी तरह अपराध मुक्त है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अपराधी भी पुलिस सिस्टम को समझ चुके हैं। उन्हें पता है कि कब चेकिंग होगी और कब ढील मिलेगी। यही वजह है कि राष्ट्रीय पर्वों के दौरान वे सतर्क रहते हैं, जबकि बाकी दिनों में बेखौफ होकर वारदातों को अंजाम देते हैं।

क्या रोज चेकिंग जरूरी नहीं

शहर के सामाजिक संगठनों और व्यापार मंडलों का मानना है कि यदि पुलिस रोजाना सीमित स्तर पर भी चेकिंग और पेट्रोलिंग करे, तो अपराध पर काफी हद तक नियंत्रण पाया जा सकता है। उनका कहना है कि नियमित नाकेबंदी से अपराधियों में डर बना रहेगा, संदिग्ध गतिविधियों पर समय रहते रोक लगेगी, आम नागरिक खुद को ज्यादा सुरक्षित महसूस करेगा, पुलिस और जनता के बीच भरोसा मजबूत होगा, वर्तमान हालात में पुलिस की सक्रियता अक्सर किसी बड़ी वारदात के बाद ही नजर आती है, जो चिंता का विषय है।

एसपी का दावाः रोज कर रहे चेकिंग

इन सवालों पर जब पुलिस अधीक्षक से बात की गई, तो उन्होंने स्पष्ट किया कि जिले में रोजाना चेकिंग और पेट्रोलिंग की जाती है, लेकिन राष्ट्रीय पर्वों पर इसे और सघन किया जाता है। एसपी ने बताया कि जिले में अलग-अलग टीमों को नियमित गश्त और चेकिंग की जिम्मेदारी सौंपी गई है। संवेदनशील इलाकों पर विशेष नजर रखी जा रही है और अपराध नियंत्रण पुलिस की प्राथमिकताओं में शामिल है। हालांकि, आम नागरिकों का कहना है कि अगर चेकिंग वास्तव में रोज होती है, तो उसकी मौजूदगी जमीन पर साफ नजर आनी चाहिए।

व्यवस्था 365 दिन ऐसी रहे

शहर की सुरक्षा तभी मजबूत मानी जाएगी जब यह व्यवस्था साल के 365 दिन प्रभावी रूप से लागू हो। पुलिस रोजाना ईमानदारी से चेकिंग और पेट्रोलिंग करे, तो अपराधियों के हौसले खुद-ब-खुद टूट सकते हैं। असली सवाल यह है कि क्या आम नागरिक खुद को सुरक्षित महसूस कर पा रहा है।

आम दिनों में भी सुरक्षा अहम

शहरवासियों का मानना है कि पुलिस की मौजूदगी सिर्फ कागजी दावों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। जब तक पुलिस हर रोज सड़कों पर सक्रिय रूप से नजर नहीं आएगी, तब तक अपराधियों पर लगाम लगना मुश्किल है। लोगों का कहना है कि पुलिस का काम केवल त्योहारों, वीआईपी मूवमेंट या विशेष आयोजनों तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि आम दिनों में भी नागरिकों की सुरक्षा उतनी ही अहम है।

शहर में आज

- मदवि नोर्थ जोन यूनिवर्सिटी क्रिकेट प्रतियोगिताएं।
- मॉडल टाउन स्थित पीएम श्री स्कूल में एनएसएस शिविर।
- तिलयार स्थित आईएचएम में एआई आधारित कार्यक्रम का समापन।
- अंबेडकर चौक पर रक्तदान शिविर।

बिजली कट

- सुबह दस बजे से दो बजे तकः लाढ़ौत रोड फीडर और 11 केवी हैफेड रोड पर बाबरिया वाली गली, टावर वाली गली, शास्त्री नगर, बसंत विहार, सूर्य नगर, लाढ़ौत रोड, केडी स्कूल के पीछे का एरिया, हैफेड रोड , उत्तम विहार, आजादगढ़, दिल्ली रोड, आसानियां वाली गली।

खबर संक्षेप

सरिता पदोन्नति के बाद बनी डिप्टी डीईओ

महम। महम की खंड शिक्षा अधिकारी सरिता खनगवाल को पदोन्नति मिली है। शिक्षा विभाग ने अब उनको डिप्टी डीईओ के पद पर पदोन्नत किया है। उन्हें सोनीपत का डिप्टी डीईओ बनाया गया है। सीनियर लेक्चरर महेश वर्मा ने बताया कि शुक्रवार को वे अपना पदभार ग्रहण करेंगी।

बुजुर्ग महिलाओं को कंबल वितरित किए

रोहतक। सर्दी के इस मौसम में रोटरी क्लब ऑफ रोहतक ने फतेहपुर कॉलोनी, खोखरा कोट की बुजुर्ग महिलाओं को 300 कंबल वितरित किए। रोटेरियन डॉ. अपूर्व नरूला (संस्थापक सदस्य) एवं रोटेरियन साहिल अरोड़ा (अध्यक्ष) की उपस्थिति में यह नेक कार्य किया गया। अतिथियों ने इन कार्यों को समाज में सेवा और संवेदना की भावना को मजबूत करने वाला बताया।

निगम का एक्शन, अतिक्रमण हटाओ व संपत्ति कर वसूली अभियान चलाया

31 दुकानदारों के चालान काटकर 17,900 रुपये जुर्माना वसूला

सड़कों से हटाया अवैध कब्जा बकायादारों की दुकानें की सील

हरिभूमि न्यूज ⏭रोहतक

नगर निगम रोहतक द्वारा शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाने और संपत्तिकर वसूली को लेकर सोमवार को एक व्यापक विशेष अभियान चलाया गया। नगर निगम आयुक्त डा. आनंद कुमार शर्मा ने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य शहर की सड़कों और सार्वजनिक स्थानों को अतिक्रमण से मुक्त कर सुगम एवं सुरक्षित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करना है। अभियान के तहत अतिक्रमण हटाने के साथ-साथ संपत्तिकर बकायादारों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की गई। अतिक्रमण हटाओ अभियान भू-अधिकारी संदीप बतरा की निगरानी एवं अतिक्रमण निरीक्षक गुरदेव के नेतृत्व में चलाया गया। नगर निगम की विभिन्न टीमों ने रेलवे रोड, गोहाना रोड, छोटूराम चौक, सिविल रोड और कैनाल रेस्ट हाउस चौक सहित आसपास के व्यस्त बाजार क्षेत्रों में सघन कार्रवाई की। इस दौरान सड़कों के किनारे, फुटपाथों पर और सार्वजनिक स्थलों पर किए गए अवैध अतिक्रमणों को हटाया गया।

सार्वजनिक स्थानों पर अतिक्रमण न करें, पिछले वर्षों का संपत्तिकर जमा नहीं करवाने वालों को नोटिस भेजे जा चुके

पांच ने मौके पर जमा करवाया टैक्स

कार्रवाई के दौरान करीब 31 दुकानदारों पर अतिक्रमण करने के आरोप में कुल 17,900 के चालान किए गए। निगम की टीम ने सबसे पहले हीरा-पन्ना कॉम्प्लेक्स में संपत्तिकर बकाया होने पर दो दुकानों को सील किया। पांच दुकानदारों ने बकाया संपत्तिकर के चेक निगम को सौंपे। गांव सुनारियां में टीम एक संपत्ति की सीलिंग की कार्रवाई के लिए पहुंची, जहां संबंधित संपत्ति मालिक ने 17,67,750 का बकाया संपत्तिकर का चेक मौके पर ही दे दिया।

नगर निगम आयुक्त ने नागरिकों से मांगा सहयोग

नगर निगम आयुक्त डा. आनंद कुमार शर्मा ने कहा कि शहर में अभी भी कई संपत्ति मालिक ऐसे हैं जिन्होंने पिछले वर्षों का संपत्तिकर जमा नहीं कराया है। उन्हें अंतिम नोटिस जारी किए जा चुके हैं और शीघ्र भुगतान न करने पर सीलिंग एवं कानूनी होगी। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे सार्वजनिक स्थानों पर अतिक्रमण न करें।

विकास कार्यों की गुणवत्ता पर निगम सख्त आयुक्त ने किया विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण

रोहतक। नगर निगम आयुक्त डा. आनंद कुमार शर्मा ने शहर में चल रहे विकास कार्यों की गुणवत्ता, पारदर्शिता और समयबद्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से वीरवार सुखपुरा, कन्हेली और सुनारियां सहित विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने सड़कों, नालियों और अन्य निर्माण कार्यों की प्रगति का गहनता से जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने निर्माण कार्यों में प्रयोग की जा रही सामग्री की गुणवत्ता, सड़कों की मोटाई, लेवलिंग, इंटरलॉकिंग, सीसी और बिटूमिनस सड़क निर्माण की प्रक्रिया को बारीकी से देखा। नगर निगम आयुक्त डा. आनंद कुमार शर्मा ने दो टूक शब्दों में कहा कि यदि किसी भी कार्य में गुणवत्ता की कमी पाई गई तो संबंधित ठेकेदार या एजेंसी के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे निर्माण स्थलों पर नियमित निगरानी रखें। नगर निगम भविष्य में भी विकास कार्यों की निरंतर मॉनिटरिंग और समय-समय पर निरीक्षण करता रहेगा। इस निरीक्षण के दौरान संयुक्त आयुक्त नमिता कुमारी, नगर अभियंता मंदीप एवं सुनील शर्मा, कनिष्ठ अभियंता नरेश हुड्डा और हरदीप सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

पीजीआई में होम्योपैथी की ओपीडी शुरू

सप्ताह में एक दिन गुरुवार को करवा सकेंगे इलाज

57 नंबर कमरे में डॉ. अनिल शर्मा देखेंगे मरीज

रोहतक। कार्यक्रम का दीप जलाकर शुभारंभ करते कुलपति डॉ. एच के अग्रवाल।

हरिभूमि न्यूज ⏭रोहतक

पंडित भगवत दयाल शर्मा पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज की ओपीडी में होम्योपैथी ओपीडी शुरू हो गई है। कुलपति डॉ. एच के अग्रवाल, कुलसचिव डॉ. रूपसिंह, निदेशक डॉ. एस.के. सिंघल, और चिकित्सा अधीक्षक डॉ. कुंदन मित्तल ने संयुक्त रूप से रिबन काटकर इसका उद्घाटन किया। डॉ. अग्रवाल ने बताया कि कहा कि केंद्र एवं हरियाणा सरकार का प्रयास है कि एक ही छत के नीचे मरीजों को सभी तरह की सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएं। डॉ. अग्रवाल ने कहा कि पीजीआईएमएस की ओपीडी में होम्योपैथी ओपीडी की शुरुआत करना एक महत्वपूर्ण कदम है, जो मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने की दिशा में एक प्रयास है। होम्योपैथी एक प्रभावी और सुरक्षित चिकित्सा पद्धति है, जो मरीजों को कई बीमारियों से राहत दिला सकती है। डॉ.एचके अग्रवाल ने बताया कि मरीजों की सहुलियत को देखते हुए इस ओपीडी को शुरू करवाने का श्रेय चिकित्सा अधीक्षक डॉ. कुंदन मित्तल हो जाता है।

हरिओम सेवा दल के सहयोग से दवाइयां फ्री

होम्योपैथी क्लीनिक के चिकित्सक डॉ. अनिल शर्मा ने बताया कि गुरुवार को कमरा नम्बर 57 में फ्री में ओपीडी चलाई जाएगी, जिसमें हरिओम सेवा दल के सहयोग से दवाइयां निशुल्क मिलेंगी। जिन लोगों को जोड़ों का दर्द, जैनेटिक्स डिसआर्डर, बच्चों में एडीएचडी, ओटिज्म इत्यादि समस्याएं हैं वें इलाज करवा सकते हैं। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. रूपसिंह, निदेशक डॉ.एस.के. सिंघल, डीन एकेडमिक अफेयर्स डॉ. एम.जी. वशिष्ठ, डॉ. गजेंद्र सिंह, डॉ अनिल शर्मा, सीओएफ राजेश मनोचा, हरिओम सेवा दल से योगेश आदि मौजूद रहे।

एएसजे शैलेंद्र सिंह की कोर्ट ने सुनाया फैसला

युवती का उत्पीड़न करने के दोषी को उम्रकैद, पिता और दोस्त बरी

हरिभूमि न्यूज ⏭रोहतक

एएसजे शैलेंद्र सिंह की कोर्ट ने एक युवती के उत्पीड़न मामले में दोषी को उम्र कैद की सजा सुनाई है। जबकि इसी मामले में दो आरोपियों को बरी किया है। दोषी पर एक लाख 85 हजार रुपये जुर्माना भी लगाया गया है। मामले के अनुसार, एक मार्च 2023 को एक युवती ने पुलिस को शिकायत दी कि वह रोहतक की एक कॉलोनी की रहने वाली है। उसकी उम्र 15 साल है। तकरीबन 3-4 माह पहले उसकी मुलाकात आशीष निवासी तेज कालोनी से हुई थी। इस दौरान आशीष ने उसे बहला फुसला कर शादी का वादा किया। वह धमकी देता था कि वह उसे नहीं मिली तो वह उसे भी मार देगा। वह अपने मां बाप से भी मिलवाने लेकर गया। वह उसे होटल भी लेकर गया, जहां दोस्त से मिलवाया। इस दौरान उसका उत्पीड़न जारी रहा। वह धमकी देकर भी उसे उसके घर से बाहर लेकर गया। वह उसे एक होटल में ले गया, जहां खाना खाने के बाद उसे अगले दिन ही होश आया। युवक ने धमकी दी कि उसने उसके साथ अनैतिक कार्य किया है। इसलिए उसे उसके साथ ही शादी करनी पड़ेगी। वह उसकी वीडियो और फोटो वायरल कर देगा। मौके पर आरोपी का पिता भी मिलने आया। इसके बाद भी उसके साथ मारपीट की गई और शादी के लिए दबाव बनाया गया। इस मामले में आशीष का दोस्त भी उसके साथ था। पुलिस ने आशीष, उसके पिता और दोस्त पर केस दर्ज कर जांच शुरू की थी। कोर्ट ने आशीष को उम्र कैद की सजा सुनाई है जबकि अन्य दोनों आरोपियों को बरी किया है।

दोषी पर एक लाख 85 हजार जुर्माना भी लगाया

30 लाख से ज्यादा ठगे

गिरोह में शामिल दूसरा आरोपी गिरफ्तार, अदालत में किया पेश

रोहतक। शेयर मार्केट में निवेश कर मोटा मुनाफा कमाने का झांसा देकर 30 लाख से अधिक की ठगी के मामले में साइबर थाना पुलिस ने ठगी गिरोह में शामिल दूसरे आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी को अदालत में पेश किया जा चुका है, जबकि मामले की गहनता से जांच जारी है। थाना साइबर के प्रभारी निरीक्षक कुलदीप सिंह ने बताया कि शिमली निवासी कृष्ण की शिकायत पर इस मामले में अभियोग दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। जांच में सामने आया कि 14 अप्रैल 2024 को पीड़ित कृष्ण के व्हाट्सएप पर शेयर मार्केट में निवेश करने का संदेश आया था। इसके बाद पीड़ित को एफ21-स्टॉक बिजनेस स्कूल नामक व्हाट्सएप ग्रुप में जोड़ दिया गया। आरोपियों ने एस्क्रॉट सिक्योरिटी के नाम से लिंक भेजकर पंजीकरण कराया। आरोपियों के झांसे में आकर कृष्ण ने अलग-अलग ट्रांजैक्शन से कुल 30 लाख 13 हजार ट्रांसफर कर दिए। जब राशि निकालने का प्रयास किया, तो उससे सात लाख और जमा कराने की मांग की गई। जांच में सामने आया कि फर्जी ऐप, जाली कागजात और फर्जी वेबसाइट के माध्यम से पीड़ित के साथ धोखाधड़ी की गई। जांच के दौरान 13 जनवरी को गिरोह में शामिल आरोपी अभिषेक पुत्र कनाराम निवासी सिक्कर, राजस्थान को गिरफ्तार किया गया। एक आरोपी पहले गिरफ्तार किया जा चुका है।

शहर में अब तक 2500 की नसबंदी हुई, मृत कुत्तों की रिपोर्ट का इंतजार

निगमायुक्त बोले, आगे की कार्रवाई रिपोर्ट आने के बाद

शहर में इस समय लगभग 8000 आवारा कुत्ते मौजूद

हरिभूमि न्यूज ⏭रोहतक

शहर में आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या और हाल ही में मिले मृत कुत्तों को लेकर प्रशासन ने स्थिति स्पष्ट की है। निगम के अनुसार शहर में इस समय लगभग 8000 आवारा कुत्ते मौजूद हैं, जिनमें से अब तक 2500 कुत्तों की नसबंदी की जा चुकी है। शेष कुत्तों की नसबंदी का कार्य चरणबद्ध तरीके से किया जा रहा है ताकि आवारा कुत्तों की संख्या पर नियंत्रण पाया जा सके। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद कार्रवाई की जाएगी। निगम कमिश्नर डॉ आनंद शर्मा ने बताया कि हाल के दिनों में जिन कुत्तों की मौत हुई है, उनके सैंपल जांच के लिए प्रयोगशाला में भेजे गए हैं। इन सैंपलों की रिपोर्ट अभी तक प्राप्त नहीं हुई है। रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि कुत्तों की मौत किस कारण से हुई और इसके लिए आगे क्या कार्रवाई की जानी है। अधिकारियों का कहना है कि बिना जांच रिपोर्ट के किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचना उचित नहीं होगा। शहर में आवारा कुत्तों को लेकर लोगों में चिंता का माहौल है। कुछ क्षेत्रों में कुत्तों के झुंड घूमने से बच्चों और बुजुर्गों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, हालिया घटनाओं के बाद लोगों ने प्रशासन से जल्द कार्रवाई की मांग की है।

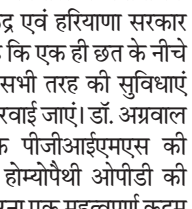

सब जूनियर नेशनल खो-खो चैंपियनशिप के लिए हरियाणा टीम का ट्रायल 18 को होगा

रोहतक। 35वीं सब जूनियर नेशनल खो-खो चैंपियनशिप के लिए हरियाणा राज्य की बालक व बालिका टीमों का ट्रायल 18 जनवरी को राजीव गांधी खेल स्टेडियम के खो-खो मैदान पर किया जाएगा। ट्रायल में हरियाणा की टीम का चयन किया जाएगा। रोहतक जिला खो-खो संघ के प्रधान सुभाष ने बताया कि 35वीं राष्ट्रीय खो-खो चैंपियनशिप 31 जनवरी से 4 फरवरी तक कुरुक्षेत्र में आयोजित होगी। ट्रायल में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों की जन्मतिथि 4 फरवरी 2012 के बाद की होनी चाहिए। ट्रायल के समय आधार कार्ड,जन्म प्रमाण पत्र दो पासपोर्ट साइज फोटो साथ लाना अनिवार्य है ओर खिलाड़ियों का इंडेक्स 215 होना चाहिए। रोहतक जिला खो खो संघ के सचिव उपेंद्र नैन ने बताया कि चयन प्रक्रिया खिलाड़ियों की योग्यता व उसके खेल कौशल के आधारित होगी।

नवंबर और दिसंबर में सबसे खराब रहती है हवा, सांस लेना भी हो जाता है दुश्वार

मानसून सीजन को छोड़कर पूरे साल शहर में प्रदूषण की चादर तनी रहती है

छह साल में बिगड़ गई शहर की हवा, 2019 के नवंबर में प्रदूषण का स्तर 165.5 था, अब बढ़कर 249.6 तक पहुंचा, लोग हो रहे परेशान

अमरजीत एस गिल ⏭रोहतक

दस-ग्यारह साल से एनसीआर में लगातार खराब होती हवा को लेकर काफी हो-हल्ला हो रहा है। रोहतक शहर भी एनसीआर का हिस्सा है। वायु सबसे ज्यादा खराब नवंबर-दिसंबर में होती है। एक्यूआई पर नजर दौड़ाई जाए तो बीते छह साल में शहर की हवा लगभग दोगुना तक खराब हो चुकी है। वर्ष 2019 में जहां नवंबर का एवरेज पीएम 2.5, 165.5 था,जो अब बढ़कर 249.6 तक पहुंच चुका है। यानी के 84.1 अंक की वृद्धि हुई है। मालूम रहे कि मानसून की विदाई सितंबर में होने के बाद एनसीआर की हवा खराब हो जाती है। बीच-बीच में जब हवा की गति तेज हो जाती है तो पॉल्यूशन का लेवल एकाध दिन के लिए कम होता है। वरना तो मानसून सीजन को छोड़कर पूरे साल ही प्रदूषण की चादर तनी रहती है। ध्यान रहे कि अगर पीएम 2.5, 50 तक है तो वह सांस लेने के लायक है। 51 से 100 तक मध्यम दर्जे की, 101 से 150 तक संवेदनशील व्यक्तियों के लिए अस्वस्थ, 151 से 200 तक अस्वस्थ, 201 और 300 तक सही नहीं। 300 से अधिक है तो हवा पूरी तरह से खराब है।

साल	सूचकांक
नवंबर 2019	165.4
2020	270.8
2021	331.7
2022	224.7
2023	229.5
2024	249.6
2025	एक्यूआई स्टेशन खराब

ये है पीएम 2.5

हवा में मौजूद बेहद सूक्ष्म कण (2.5 माइक्रोमीटर या उससे कम व्यास के) होते हैं, जो धुएं, धूल और राख से बनते हैं और सांस लेने पर फेफड़ों और रक्त प्रवाह में गहराई तक जाकर हृदय रोग, फेफड़ों के कैंसर, स्ट्रोक और श्वसन संबंधी समस्याओं जैसी गंभीर बीमारियां पैदा करते हैं। ये मुख्य रूप से जीवाश्म ईंधन के जलने और औद्योगिक उत्सर्जन से उत्पन्न होते हैं। सूक्ष्म कण हवा में तैरते ठोस और तरल कणों का मिश्रण होते हैं, जैसे धूल, कालिख और धुआं, जो इतने छोटे होते हैं कि मानव बाल से 30 गुना पतले होते हैं। वाहनों का धुआं, बिजली संयंत्र, औद्योगिक उत्सर्जन, निर्माण कार्य, जंगल की आग और घर में खाना पकाने से निकलने वाले धुंए से भी ये कण पैदा होते हैं।

पीएम 10 के बारे में भी जानें

पीएम 10 हवा में मौजूद कणों के आकार को दर्शाते हैं। पीएम 10 का मतलब होता है कि हवा में मौजूद कण 10 माइक्रोमीटर से भी छोटे हैं, और जब पीएम 10, पीएम 2.5 का स्तर 100 से ऊपर पहुंचता है तो ये खराब श्रेणी को दर्शाता है। यानि हवा में धूल, मिट्टी, धुंध के कण ज्यादा मात्रा में मौजूद है। जो आसानी से सांस के जरिए आप के फेफड़ों तक पहुंच सकते हैं।

श्वसन प्रणाली पर असर

चिकित्सा जगत की मानें तो खराब हवा का श्वसन प्रणाली पर बहुत बुरा असर पड़ता है। जिससे खांसी, सांस लेने में तकलीफ, गले में जलन जैसे तुरंत असर दिखते हैं। और लंबे समय में अस्थमा, फेफड़ों के संक्रमण, फेफड़ों के कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। क्योंकि प्रदूषक कण फेफड़ों में गहराई तक जाकर उन्हें नुकसान पहुंचाते हैं और पहले से मौजूद बीमारियों को और गंभीर बना देते हैं। केंद्र सरकार ने गत दिनों संसद में बताया था कि 2022 के मुकाबले 2025 के धान की कटाई के मौसम में पंजाब और हरियाणा में पराली जलाने की घटनाओं में 90 प्रतिशत की कमी आई है। इसके बावजूद प्रदूषण कम होने की बजाय बढ़ ही रहा है।

रोचक / शिखर चंद जैन

पट-पट उछलने-कूदने वाला पॉपकॉर्न!

बच्चो, पॉपकॉर्न यानी भुने हुए मकई के दाने। मकई के दाने भूनते समय तुमने देखा होगा, कैसे पट.. पट.. करके उछलते-कूदते हैं। इन्हें देखकर बहुत मजा आता है। ये भूनते समय इस तरह क्यों उछलते-कूदते हैं? इन्हें इस तरह कब से खाए जाने की शुरुआत हुई, इनका क्या है इतिहास, इसका नाम पॉपकॉर्न कैसे पड़ा? पॉपकॉर्न से जुड़ी रोचक जानकारियां।

बच्चो, पॉपकॉर्न एक ऐसा स्नैक्स है, जो टेस्टी होने के साथ-साथ हेल्दी भी होता है। हल्की-फुल्की भूख के लिए पॉपकॉर्न एक बेहतरीन ऑप्शन है। तुम्हारा यह पसंदीदा पॉपकॉर्न दुनिया भर में पॉपुलर है। क्या तुम्हें पता है, पॉपकॉर्न की पसंद और इसके हेल्थ बेनिफिट्स को सेलिब्रेट करने के लिए 'पॉपकॉर्न-डे' भी मनाया जाता है। बच्चो, हर साल 19 जनवरी को अमेरिका में 'नेशनल पॉपकॉर्न-डे' मनाया जाता है।

नया नहीं है पॉपकॉर्न: कॉर्न (मकई) के एक विशेष प्रकार, जिसका वैज्ञानिक नाम 'जिया मेज एवर्टा' है, से पॉपकॉर्न बनाया जाता है। यह मकई

इस मायने में अलग है कि इसका पेरिकार्प यानी छिलका मोटा होता है। पॉपकॉर्न बनाने की शुरुआत 5000 साल से भी पहले हो चुकी थी। पेरू में 6700 साल पहले भी पॉपकॉर्न खाए जाते थे, इस बात के भी प्रमाण मिले हैं।

कब हुआ पॉपुलर: 1885 में चार्ल्स क्रेटर्स द्वारा मोबाइल पॉपिंग कार्ट के आविष्कार के बाद से पॉपकॉर्न पॉपुलर हुआ। इसके बाद से पॉपकॉर्न आसानी से तैयार किए और खरीदे-बेचे जाने लगे। धीरे-धीरे यह बच्चों और बड़े सभी का फेवरेट स्नैक्स बनता गया। खाने के साथ-साथ पेड़-पौधों की सजावट में भी इसका इस्तेमाल किया जाने लगा। आज भी कई जगहों पर क्रिसमस ट्री को सजाने के लिए पॉपकॉर्न का इस्तेमाल किया जाता है।

उछलता है इसलिए नाम पड़ा 'पॉप' कॉर्न: पॉपकॉर्न के दानों में 14 प्रतिशत तक नमी होती है। जब इन दानों को गर्म किया जाता है, तो पानी भाप बन जाता है। यह भाप जब दाने से बाहर आने का प्रयास करती है तो दाना पट-पट की आवाज के साथ उछलता है और फूट जाता है। जिससे ये पॉपकॉर्न बन जाते हैं। फूटते समय पॉपकॉर्न 3 फीट (लगभग 1 मीटर) तक उछल सकता है। इसके उछलने की प्रवृत्ति के कारण ही इसे 'पॉप' कॉर्न कहते हैं।

तरह-तरह के पॉपकॉर्न: पॉपकॉर्न कई तरह के होते हैं। 'जिया मेज' की लगभग 25 विभिन्न किस्में हैं। इनमें से दो प्रमुख प्रकार हैं-राइस पॉपकॉर्न और पर्ल पॉपकॉर्न। मक्के की यह प्रजाति आमतौर पर छोटी होती है। इसके दाने का आवरण और बाहरी भ्रूणपोष बेहद सख्त होता है।

दो तरह के मुख्य शेप: पॉपकॉर्न मुख्य रूप से दो अलग-अलग शेप में फूटते हैं।

स्नोफ्लेक: यह आकार में बड़ा और ऊबड़-खाबड़ होता है। मूवी थिएटर में तुम यही पॉपकॉर्न खाते हो। यह दिखने में ज्यादा लगता है।

मशरूम: यह गोल और ठोस होता है। इसका इस्तेमाल तब किया जाता है, जब पॉपकॉर्न पर चॉकलेट या कैरेमल की परत चढ़ानी हो, क्योंकि यह आसानी से टूटता नहीं है।

हेल्दी ब्रेकफास्ट है पॉपकॉर्न: पॉपकॉर्न खाने में मजा तो आता ही है, यह हेल्थ के लिए भी अच्छा होता है। 19वीं सदी में इसे दूध और चीनी के साथ नाश्ते के रूप में खाया जाता था। आज भी इसे तरह-तरह से खाया जाता है। इसमें भरपूर फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं। साथ ही पॉपकॉर्न, मैंगनीज, फॉस्फोरस और जिंक का अच्छा स्रोत है। इसमें कैलोरी बेहद कम होती है और हार्मफुल ग्लूटेन नहीं पाए जाते। आजकल मल्टीप्लेक्स मूवी थिएटर्स में बड़े-बड़े स्टाइलिश डब्बों में तरह-तरह के मसालों से युक्त पॉपकॉर्न खूब बिकते हैं। *

दुनिया का सबसे बड़ा पॉपकॉर्न बॉल

बच्चो, क्या तुम इमेजिन कर सकते हो कि एक पॉपकॉर्न बॉल कितना बड़ा हो सकता है? अमेरिका के आयोवा राज्य के सैक सिटी में साल 2016 में 9,370 पाउंड (लगभग 4250 किलोग्राम) वजन का पॉपकॉर्न बॉल बनाया गया। यह पॉपकॉर्न बॉल 24 फीट चौड़ी और 8 फीट से ज्यादा ऊंची है। इस पॉपकॉर्न बॉल का नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में शामिल है।

माइक्रोवेव की खोज में मददगार बना पॉपकॉर्न

बच्चो, एक इंटरेस्टिंग फैक्ट यह है कि तुम्हारे घर में रखे माइक्रोवेव ओवन का आविष्कार पॉपकॉर्न की वजह से ही हुआ था। साल 1945 में पर्सी स्पेंसर नाम के वैज्ञानिक एक मशीन पर काम कर रहे थे। उन्होंने देखा कि हीट की वजह से उनकी जेब में रखे पॉपकॉर्न के दाने अचानक फूटने लगे। इसी से उन्हें माइक्रोवेव बनाने का आइडिया आया।

पेंगुइन अपनी अनोखी शारीरिक संरचना के लिए जाना जाता है। इनकी ज्यादातर प्रजातियां लुप्त होने की कगार पर हैं। पेंगुइन पर मंडराते खतरे के कारण इनके संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से प्रति वर्ष 20 जनवरी को 'पेंगुइन अवेयरनेस-डे' मनाया जाता है। जानो, पेंगुइन की कुछ प्रजातियों के बारे में।

अजब-अनूठा पक्षी पेंगुइन

पक्षी जगत

मच्छिंद्र ऐनापुरे

पेंगुइन पक्षी का नाम सुनते ही हमारे दिमाग में एक प्यारे-से, काले-सफेद रंग का पक्षी आ जाता है, जो बर्फ पर मजेदार ढंग से मटकते हुए चलता है। बच्चो, दुनिया में पेंगुइन की अनेक प्रजातियां पाई जाती हैं। जानो, पेंगुइन की कुछ प्रजातियों के बारे में।

एंपरर पेंगुइन: यह पेंगुइन की दुनिया का राजा माना जाता है। एंपरर पेंगुइन सबसे बड़े आकार के पेंगुइन होते हैं। इनकी ऊंचाई लगभग 3 फीट 7 इंच होती है। वजन 35 से 40 किलो तक होता है। ये अत्यंत ठंडे इलाके अंटार्कटिका में रहते हैं। एंपरर पेंगुइन शानदार तैराक होते हैं, ये गहरे समुद्र में गोते लगाकर तैरते हैं।

यलो-आइड पेंगुइन: यह पेंगुइन न्यूजीलैंड में पाया जाता है। इसकी पीली-पीली आंखें और सिर पर पीली धारियां होती हैं। इसकी शारीरिक विशेषताओं के आधार पर ही इसका नामकरण हुआ है।

किंग पेंगुइन: एंपरर पेंगुइन से आकार में थोड़े छोटे और दुनिया के दूसरे सबसे बड़े आकार के पेंगुइन होते हैं-किंग पेंगुइन। इनके सिर के पास पानी की बूंद जैसा पीला निशान होता है। इनमें भी वे सभी विशेषताएं पाई जाती हैं, जो एंपरर पेंगुइन में होती हैं। ये भी अंटार्कटिका में पाए जाते हैं।

रॉकहॉपर पेंगुइन: इनकी आंखों के ऊपर सुंदर-सी भौंहें होती हैं। ये चट्टानों पर उछल-कूद करते हुए चलते हैं। रॉकहॉपर पेंगुइन की दो प्रमुख प्रजातियां पाई जाती हैं। पहली, नॉर्दन रॉकहॉपर, जिनकी भौंहें बड़ी और उभरी हुई होती हैं। दूसरी, सदर्न रॉकहॉपर, जिनकी भौंहें थोड़ी छोटी होती हैं।

मैकरॉनी पेंगुइन: इस पेंगुइन का नाम (खाने वाली डिश मैकरॉनी) बड़ा मजेदार है न! इसका चेहरा काला, चोंच नारंगी और माथे पर पीले रंग की सुंदर कलगी होती है। यही इसकी पहचान है।

लिटिल पेंगुइन: नाम जैसा, आकार वैसा! ये दुनिया के सबसे छोटे आकार के पेंगुइन होते हैं। इनकी ऊंचाई सिर्फ 12 से 13 इंच तक और वजन करीब 1.2 से 1.3 किलोग्राम तक होता है।

गैलापैगोस पेंगुइन: यह दुनिया की इकलौती पेंगुइन प्रजाति है, जो भूमध्य रेखा (इक्वेटर) के पास रहती है। यह गैलापैगोस द्वीप समूह में पाई जाती है।

अफ्रीकन पेंगुइन: ये पेंगुइन अफ्रीका महाद्वीप के दक्षिण अफ्रीका और नामीबिया देशों में पाए जाते हैं। इन पेंगुइन की आंखों के चारों ओर फर नहीं होते और छाती पर काली पट्टी होती है। *

भारत में भी देखी जा सकती है पेंगुइन

बच्चो, तुम सोच सकते हो कि कि पेंगुइन सर्द प्रदेशों/स्थलों में पाया जाने वाला पक्षी है, इसे भारत जैसे गर्म देश में नहीं देखा जा सकता, लेकिन ऐसा नहीं है। तुम अपने देश में भी पेंगुइन को देख सकते हो। मुंबई के वीरमाता जीजाबाई भोसले प्राणी संग्रहालय (रानी का बाग) में 18 पेंगुइन देखे जा सकते हैं। ये हंबोल्ट प्रजाति के पेंगुइन हैं, जो मूल रूप से पेरू और चिली से लाए गए हैं। साल 2016 में यहां सिर्फ 8 पेंगुइन थे, अब उनकी संख्या बढ़कर 18 हो गई है।

कविता / फहीम अहमद

मखमली धूप

ठिठुर रहे तन को लगती है
मखमल-सी जाड़े की धूप।
धीरे से मन को छू जाती
कोमल-सी जाड़े की धूप।
मीठे गीत सुनाती हमको,
कोयल-सी जाड़े की धूप।

सबके दिल में घर कर जाती
चंचल-सी जाड़े की धूप।
ठिठुरन वाले सन्नाटे में
हलचल-सी जाड़े की धूप।
जब छत पर लेटें तो ओढ़ें
कंबल-सी जाड़े की धूप।
नानी की गोदी, अम्मा के
आंचल-सी जाड़े की धूप।

बूझो तो जानें

1
भूरा-काला रुई-सा हल्का
मैं नभ में उड़ता जाता।
बरसातों का दूत बनूं मैं
गड़-गड़ गड़-गड़ शोर मचाता।

2
सड़क नहीं, आकाश सवारी
पंख लगे, पर नहीं हूं चिड़िया।
लोगों को सुदूर पहुंचाऊं
वायु भांति मेरी गति बढ़िया।

3
बत्ती नहीं, न कोई तेल
रातों को कर देता जगमग।
ज्यों नींद खुले सूरज की
मैं छुप जाता चलकर डगमग।

- गौरीशंकर वैश्य विनम्र

उत्तर : 1.बादल, 2.हवाई जहाज, 3.चंद्रमा

जीके क्विज-188

1. दृष्टिबाधित लोगों के लिए पहली ब्रेल लाइब्रेरी किस राज्य में खोली गई है?
2. भारतीय महिला हॉकी टीम का मुख्य कोच हाल ही में किसे नियुक्त किया गया है?
3. सर्वोच्च न्यायालय के वर्तमान मुख्य न्यायाधीश कौन हैं?
4. इन दिनों 53वें विश्व पुस्तक मेला का आयोजन किस शहर में किया जा रहा है?
5. सापेक्षता का सिद्धांत (थ्योरी ऑफ रिलेटिविटी) की खोज किसने की थी?
6. विश्व का सबसे घना जंगल कौन सा है?
7. लावणी किस राज्य का पारंपरिक लोकनृत्य है?
8. भारत में केसर का उत्पादन सबसे ज्यादा किस राज्य में होता है?
9. विश्व का सबसे बड़ा मरुस्थल कौन सा है?
10. 'डिस्कवरी ऑफ इंडिया' के लेखक कौन हैं?

बच्चो, जीके क्विज-188 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें balbhoomihb@gmail.com पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-187 का उत्तर : 1.दीप्ति शर्मा, 2. जापान, 3.काम्या कार्तिकेयन, 4.सारनाथ, 5.सी. राजगोपालाचारी, 6.ओडिशा, 7.विटामिन-ए, 8.मुंबई से ठाणे, 9.नाइक्रोम, 10.तमिलनाडु

जीके क्विज-187 का सही उत्तर देने वाले : गौरव-कोरबा, कबीर-हिसार, ऊर्जस्वी-सारंगढ़ बिलाईगढ़, ज्योति-बैकुंठपुर, रमेश-रायगढ़, कोमल-रोहतक, शुभम-रायपुर, रौनक-दुर्ग, कमल-बिलासपुर, सुमन-रायगढ़, शिप्रा-महासमुंद

कहानी

हरीश कुमार अमित

मयंक और उसके दादा जी ने एक दिन शर्त लगाई, कौन कितने देर बिना बोले रह सकता है, जो पहले बोलेगा, तय शर्त के अनुसार हर्जाना भरेगा। मयंक को लगा दादा जी शर्त हार गए, जबकि दादा जी को लगा मयंक हारा। लेकिन वास्तव में शर्त कौन जीता?

लग गई शर्त

मयंक बहुत बातूनी है। लंबी-लंबी बातें करना उसे अच्छा लगता है। थोड़ी देर तक भी बिना बोले रहना उसके लिए मुश्किल है। आज मयंक के स्कूल की छुट्टी थी। वह दादा जी के कमरे में उनके पास बैठा उनसे बातें कर रहा था। बातों-बातों में दादा जी ने मयंक से शर्त लगा ली, कौन ज्यादा देर तक बिना बोले रह सकता है। शर्त के अनुसार उन दोनों में से जो पहले बोलेगा, वह शर्त हार जाएगा। दादा जी ने यह भी कहा कि अगर खुद वे शर्त हार गए तो मयंक को रेस्टोरेंट ले जाकर मसाला डोसा खिलाएंगे। और अगर मयंक शर्त हार गया तो वह पिछले दिनों अपने जन्मदिन पर मिले चॉकलेट के डिब्बे से पांच चॉकलेट दादा जी को देगा।

शर्त लगने के बाद दादा जी और मयंक दोनों एक-दूसरे से इशारों-इशारों में ही बातें करने लगे। घर में उस समय और कोई मौजूद नहीं था। मयंक के मम्मी-पापा कहीं गए हुए थे, उन्हें शाम तक ही घर लौटना था। मयंक को पूरा विश्वास था, वह शर्त जीत जाएगा।

थोड़ी देर बाद दादा जी के मोबाइल फोन पर मयंक के पापा का फोन आया। पापा ने यह बताने के लिए फोन किया था कि वे लोग शाम को आठ बजे तक ही वापस आ पाएंगे। दादा जी ने पापा की बात तो सुन ली, लेकिन खुद जो कहना था, वह टेक्स्ट मैसेज में लिखकर भेज दिया। साथ ही चुप रहने की शर्त के बारे में भी लिख दिया ताकि फोन पर उनके बात न करने के कारण पापा को कुछ अटपटा न लगे। थोड़ी देर बाद मयंक का जी करने लगा कि कुछ बोला जाए, लेकिन शर्त के कारण उसने अपने आपको रोके रखा। कुछ देर बाद अचानक मयंक को दादा जी की आवाज सुनाई दी। दादा जी की आवाज सुनते ही वह जोर से बोल उठा, 'मैं जीत गया! मैं जीत गया!' 'जीत तो मैं गया हूं, बेटा। तुम पहले जो बोल पड़े हो।' दादा जी ने हंसते हुए कहा।

'जीता तो मैं हूं, दादा जी! पहले आपकी आवाज सुनाई दी है!' मयंक ने दादा जी की बात का खंडन किया।

'आवाज से क्या होता है? बोले तो पहले तुम ही हो! इसलिए मैं शर्त जीत गया हूं।' दादा जी ने हंसते हुए जवाब दिया।

'कैसे, दादा जी? पहले आप बोले, तभी तो आपकी आवाज सुनाई दी।' मयंक ने दादा जी को समझाना चाहा।

'लेकिन मैं पहले बोला ही नहीं था। मैंने तो यह वीडियो चलाया था, जिसमें मेरी आवाज है।' कहते हुए दादा जी ने अपने कुर्ते की जेब से अपना मोबाइल फोन निकाल कर वह वीडियो फिर से चला दिया। यह वही वीडियो था, जो मयंक ने उनके फोन पर कुछ दिन पहले बनाया था। इस वीडियो में दादा जी मयंक को एक कहानी सुना रहे थे।

'पर यह तो चीटिंग है, दादा जी!' मयंक ने विरोध जताया।

'इसमें चीटिंग की क्या बात है? तुम्हें मेरी असली आवाज और वीडियो से आ रही आवाज का अंतर समझना चाहिए था।' दादा जी मुस्कुराते हुए बोले।

दादा जी का यह तर्क सुनकर मयंक जवाब में कुछ न बोल सका। उसने अपनी हार मान ली और चुपचाप एक तरफ बैठ गया।

मयंक का उदास चेहरा देखकर दादा जी कुछ देर सोचते रहे और फिर हंसते हुए बोले, 'बेटा, मैं तो मजाक कर रहा था तुमसे! शर्त तो तुम ही जीत गए हो, क्योंकि मेरी आवाज पहले सुनाई दे गई थी। असल में सुबह से ही मेरा बहुत मन कर रहा था कि तुम्हारे साथ रेस्टोरेंट में जाकर गरमा-गरम मसाला डोसा खाया जाए। इसीलिए मैंने तुम्हारे साथ यह शर्त लगाई थी, और मैं जान-बूझकर शर्त हार भी गया ताकि मसाला डोसा खाने की मेरी इच्छा पूरी हो सके।' दादा जी के मुंह से यह सब सुनकर मयंक मन ही मन बहुत खुश हो गया। दादा जी आगे बोले, 'तुम्हारे मम्मी-पापा को तो कई घंटे बाद घर लौटना है। तब तक हम दोनों चलते हैं रेस्टोरेंट में मसाला डोसे का आनंद उठाने। तुम तैयार हो जाओ फटाफट।'

यह सुनकर मयंक के चेहरे की उदासी मिट गई और वह खुशी-खुशी दादा जी के साथ रेस्टोरेंट जाने के लिए तैयार होने लगा। उसे दादा जी के साथ मसाला डोसे का आनंद जो लेना था। *

तुम्हारे लिए नई किताब / समीर गांगुली

रोचक-प्रेरक कहानी

बच्चो, दुनिया भर में बच्चों के लिए बहुत अच्छी-अच्छी किताबें लिखी जा रही हैं। ये किताबें तुम्हें जरूर पढ़नी चाहिए, क्योंकि ये तुम्हारा एक नए प्रकार का मनोरंजन करेंगी। इन किताबों को पढ़कर तुम जानोगे कि दुनिया कितनी मजेदार है, अद्भुत कल्पनाओं और रोमांच से भरी है। ऐसी ही एक किताब है 'स्टोरी ऑफ डॉक्टर डूलिटिल' यानी पशु भाषा विशेषज्ञ डॉक्टर डूलिटिल की कहानी। यह एक ऐसे डॉक्टर की कहानी है, जो था तो इंसानों का डॉक्टर, लेकिन जानवरों का इलाज करने लगा। यह डॉक्टर जानवरों की बोलियां समझता ही नहीं था, उनके साथ बात भी करता था। यह सब उसे पोलेसेनिया नाम के एक तोते ने सिखाया था। जब डॉक्टर डूलिटिल पशु-पक्षियों से बात करके उनकी समस्याओं को जानकर उनका इलाज करने लगा तो उसके सभी बीमार पशु-पक्षी जल्दी-जल्दी स्वस्थ होने लगे। इस तरह वह डॉक्टर, इंसानों के इलाज के लिए ही नहीं, पशु-पक्षियों के इलाज के लिए भी बहुत मशहूर हो गया। फिर डॉक्टर डूलिटिल को अफ्रीका से एक संदेश मिला कि वहां के बंदरों में एक जानलेवा बीमारी फैली है, जिससे वे तेजी से मर रहे हैं। फिर क्या था, डॉक्टर डूलिटिल अफ्रीका के लिए निकल पड़े। इसके बाद क्या हुआ, यह जानने के लिए बच्चो, तुम्हें इस किताब को पढ़ना होगा। इस किताब के लेखक हैं ह्यु लॉफ्टिंग, जिन्होंने सन 1920 में इसे लिखा था। यह किताब इतनी लोकप्रिय हुई कि डॉक्टर डूलिटिल की एक के बाद एक रोचक कहानियों वाली 12 किताबें प्रकाशित हुईं। इन पर कई फिल्में भी बनीं। दुनिया भर की अनेक भाषाओं में इन किताबों का अनुवाद भी हुआ है। ये किताबें विश्व बाल साहित्य की धरोहर हैं। *

किताब : पशु भाषा विशेषज्ञ डॉक्टर डूलिटिल की कहानी (फैंटेसी उपन्यास), **लेखक :** ह्यु लफ्टिंग, **अनुवाद :** आलोक कुमार, **मूल्य :** 199 रुपए, **प्रकाशक :** फ्लाईड्रीम्स पब्लिकेशंस, नई दिल्ली

अंतर बताओ

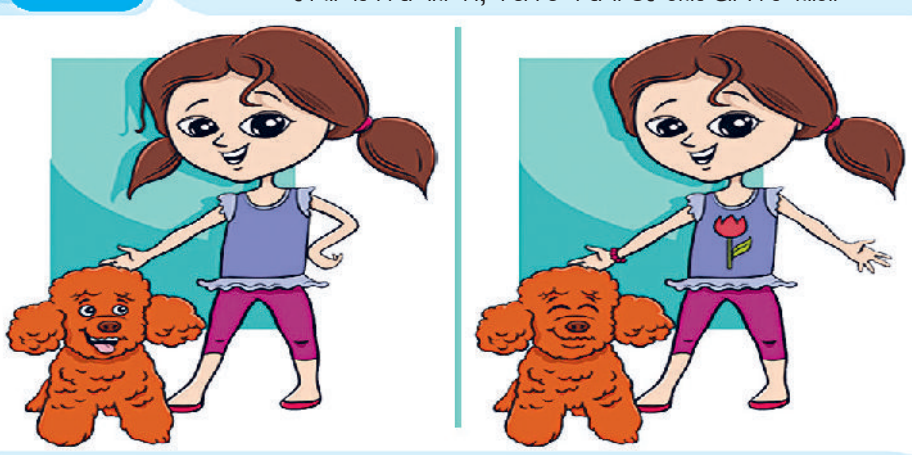

बच्चो, यहां अपने क्यूट से डॉगी के साथ खड़ी लड़की के दो चित्र दिए गए हैं। एक जैसे दिख रहे इन चित्रों में छह अंतर हैं। तुम्हें तीन मिनट में ये छह अंतर खोजने हैं। तो देर किस बात की, फटाफट ये सभी छह अंतर खोजकर बताओ-

उत्तर: [illegible]

गिनकर बताओ

बच्चो, यहां दो तरह की मछलियों के कई सारे चित्र दिए गए हैं। तुम गिनकर बताओ, किस मछली की संख्या कितनी है?

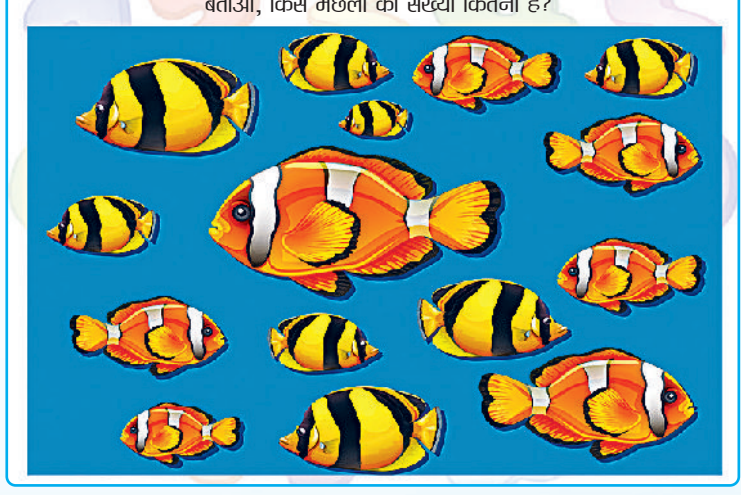

खबर संक्षेप

डिपो में रोडवेज कर्मियों ने रखी भूख हड़ताल

रोहतक। हरियाणा रोडवेज वर्कर्स यूनियन के आह्वान पर वीरवार को डिपो में सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक भूख हड़ताल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डिपो प्रधान नरेश सिवाच ने की जबकि संचालन डिपो सचिव जयकुंवार दहिया ने किया। हड़ताल पर बैठे कर्मचारियों को राज्य महासचिव सुमेर सिवाच, राज्य उपप्रधान जयकुंवार दहिया, राज्य कार्यालय सचिव सतबीर मुंडाल सहित अनेक नेताओं ने संबोधित किया।

'ऑपरेशन सिंदूर' ऐतिहासिक व सैद्धांतिक परिवर्तन : कर्नल

रोहतक। ऑपरेशन सिंदूर केवल एक सैन्य अभियान नहीं, बल्कि भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा नीति में आया एक ऐतिहासिक और सैद्धांतिक परिवर्तन था। यह उद्गार कर्नल अनिल गोरसी ने महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के रक्षा एवं सामरिक अध्ययन विभाग द्वारा भारतीय थल सेना दिवस के अवसर पर आयोजित विशेष ऑनलाइन व्याख्यान में व्यक्त किए। उन्होंने बताया कि 7 मई 2025 की सुबह अंजाम दिया गया ऑपरेशन सिंदूर आतंकवाद के विरुद्ध भारत की सैन्य क्षमता, रणनीतिक स्पष्टता और राजनीतिक दृढ़ इच्छा शक्ति का सशक्त प्रदर्शन था।

प्राइवेट बस संचालकों पर नियंत्रण करे सरकार: मांडौठी

रोहतक। ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन के प्रदेश अध्यक्ष अनूपसिंह मातनहेल तथा सचिव जयकरण मांडौठी ने कहा कि सरकार ने ना तो बुजुर्गों की बुढ़ापा पेंशन बढ़ाई और ना ही प्राइवेट बसों में किराए में मिलने वाली छूट का प्रावधान लागू करवा रही है। किराए को लेकर निजी बसों के परिचालक सीनियर सिटीज़नों व विद्यार्थियों से संवेदनहीन व्यवहार करते हैं।

हरियाणवी व बालीवुड डांस सीखेंगी छात्राएं

सांपला। कस्बे के सर छोटूराम कन्या महाविद्यालय की छात्राएं हरियाणवी और बालीवुड डांस का अभ्यास करेंगी। महिला प्रकोष्ठ की और से गुरुवार को प्रशिक्षण शुरू किया गया। प्राचार्य डॉ संतोष हुड्डा ने कहा कि इस कार्यशाला का उद्देश्य छात्राओं की सर्जनात्मक क्षमता एवं कलात्मक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करना है। टीम वर्क अनुशासन एवं नेतृत्व कौशल को सुदृढ़ करना है। परिक्षक नागेन्द्र यादव और द्रष्टि मितल छात्राओं का मार्ग दर्शन करेंगे।

मदवि में प्रतियोगिता का शानदार समापन, दिल्ली यूनिवर्सिटी बनी उपविजेता

नॉर्थ जोन महिला टेनिसः पंजाब यूनिवर्सिटी चंडीगढ़ बनी चैंपियन

चंडीगढ़ की खिलाड़ी सायरा को बेस्ट प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में आयोजित नॉर्थ जोन इंटर यूनिवर्सिटी महिला टेनिस प्रतियोगिता का वीरवार को समापन हुआ। फाइनल मुकाबले में पंजाब यूनिवर्सिटी चंडीगढ़ की टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते दिल्ली यूनिवर्सिटी को हराकर खिताब अपने नाम किया, जबकि दिल्ली यूनिवर्सिटी उपविजेता रही। प्रतियोगिता में चौधरी चरण सिंह यूनिवर्सिटी, मेरठ ने तीसरा स्थान हासिल किया, वहीं मेजबान एमडीयू की टीम चौथे स्थान पर रही। पूरे टूर्नामेंट में शानदार खेल का प्रदर्शन करने वाली पंजाब यूनिवर्सिटी चंडीगढ़ की खिलाड़ी सायरा को बेस्ट प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया।

समापन समारोह में मुख्य अतिथि कुलसचिव डॉ. कृष्णकांत ने विजेता और उपविजेता टीमों को पुरस्कृत करते हुए कहा कि खेल अनुशासन, नेतृत्व और टीम भावना विकसित करने का सशक्त माध्यम हैं। विशिष्ट अतिथि डॉ. लक्ष्मी गुप्ता ने कहा कि विश्वविद्यालयों में खेल गतिविधियां विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का आधार हैं।

एमडीयू खेल परिषद की अध्यक्ष डॉ. राजवंती ने कहा कि एमडीयू खेलों के माध्यम से प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। खेल निदेशक एवं खेल परिषद की सचिव डॉ. शकुंतला बेनीवाल ने सफल आयोजन के लिए सभी संबंधित अधिकारियों, प्रशिक्षकों, तकनीकी स्टाफ और स्वयंसेवकों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समन्वयन सहायक खेल निदेशक डॉ. तेजपाल और टेनिस कोच श्रवण कुमार ने किया।

पहरावर में खेल प्रतियोगिताएं हुईं

रोहतक। पहरावर में यूथ क्लब के सदस्यों ने एक अनूठी पहल करते हुए गांव के विभिन्न आयु वर्ग के बच्चों की खेल प्रतियोगिता का आयोजन करवाया है। जिसमें 100 और 800 मीटर की रेस, रस्साकशी और कबड्डी की प्रतियोगिता करवाई गई । बच्चों को मोबाइल से दूर रखने के लिए खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

कुमाऊं विवि नैनीताल ने हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय को 8 विकेट से हराया

रोहतक। मदवि के खेल परिसर में आयोजित उत्तर क्षेत्रीय अंतर विश्वविद्यालय महिला क्रिकेट प्रतियोगिता के अंतर्गत वीरवार को तीन मुकाबले खेले गए। पहले मुकाबले में कुमाऊं विश्वविद्यालय नैनीताल ने हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय को 8 विकेट से पराजित किया। गढ़वाल विश्वविद्यालय ने पहले बल्लेबाजी करते 19 ओवर में 74 रन बनाए। टीम की ओर से रोशनी रॉय ने 16 रन बनाए। गेंदबाजी में कुमाऊं विवि की नंदिनी शर्मा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 4 ओवर में 12 रन देकर 2 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते कुमाऊं विवि ने 15 ओवर में 2 विकेट के नुकसान पर 75 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम किया। लक्ष्मी बसेरा ने 42 रन की नाबाद पारी खेली। दूसरे मुकाबले में हिमाचल प्रदेश विवि शिमला ने कुरुक्षेत्र विवि को 7 विकेट से हराया। कुरुक्षेत्र विवि ने पहले बल्लेबाजी करते 19.4 ओवर में 57 रन बनाए। जवाब में हिमाचल प्रदेश विवि, शिमला ने 8.4 ओवर में 3 विकेट के नुकसान पर 58 रन बनाकर मैच जीत लिया। तीसरे मुकाबले में जीएनडीयू अमृतसर की टीम ने एलपीयू फगवाड़ा को 25 रनों से हराया। शुक्रवार को सेमीफाइनल मैच आयोजित किए जाएंगे। पहला सेमीफाइनल मैच एमडीयू और एचपीयू शिमला के बीच व दूसरा मैच कुमाऊं विवि नैनीताल और जीएनडीयू, अमृतसर के बीच खेला जाएगा। निदेशक खेल डॉ. शकुंतला बेनीवाल, सहायक निदेशक खेल डॉ. तेजपाल व क्रिकेट कोच मुकेश गोयल मौजूद रहे।

मातुराम ब्लास्टर्स इलेवन ने गोयल क्रिकेट क्लब को दी मात

रोहतक। विश्वकर्मा क्रिकेट ग्राउंड पर वीरवार को खेले गए गोयल विंटर क्रिकेट कप 2026 के लीग मुकाबले में मातुराम ब्लास्टर्स इलेवन ने रोमांचक प्रदर्शन करते गोयल क्रिकेट क्लब को 4 विकेट से पराजित कर दिया। यह मुकाबला दर्शकों के लिए अंत तक बेहद रोमांचक बना रहा। टॉस जीतकर इलेवन ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए क्लब की टीम ने 18 ओवरों में 7 विकेट के नुकसान पर 151 रन बनाए। दीपांशु ने शानदार बल्लेबाजी करते मात्र 23 गेंदों पर 43 रन बनाए।

वर्तमान समय में वेल्यू एजुकेशन अत्यंत आवश्यक : रश्मि देशवाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

स्वामी नितानंद सीनियर सेकेंडरी स्कूल ब्राह्मणवास में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के दिशा-निर्देशों के अनुरूप 'वेल्यू एजूकेशन' विषय पर 15 जनवरी को एकदिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों को विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों, संस्कारों और जीवन मूल्यों के विकास हेतु प्रभावी शिक्षण विधियों से अवगत कराना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ स्कूल प्रबंधक रश्मि देशवाल, उपप्रधानाचार्य अमित तथा विशेषज्ञ वक्ता अमित और नीलम कुमारी द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। प्रशिक्षण सत्रों के दौरान विशेषज्ञों ने वेल्यू एजूकेशन की वर्तमान आवश्यकता, उसके सामाजिक महत्व और कक्षा-कक्ष में व्यावहारिक उपयोग पर विस्तार से प्रकाश डाला।
गतिविधि-आधारित शिक्षण, उदाहरणों और समूह चर्चाओं के माध्यम से शिक्षकों को विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर केंद्रित प्रभावी उपाय बताए गए। इस अवसर पर स्कूल प्रबंधक रश्मि देशवाल ने कहा कि वर्तमान समय में वेल्यू एजूकेशन अत्यंत आवश्यक है, ताकि विद्यार्थी शैक्षणिक उपलब्धियों के साथ-साथ नैतिक और सामाजिक रूप से भी सशक्त बन सकें। कार्यक्रम के समापन पर उन्होंने विशेषज्ञों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह प्रशिक्षण अत्यंत सरल, रोचक और प्रेरणादायक रहा। विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं ने कार्यक्रम को ज्ञानवर्धक एवं उपयोगी बताया।

खरावड़ : भतीजे की मौत से आहत ताऊ ने भी चंद घंटों में तोड़ा दम

कुछ दिन पहले हादसे में पिता की हुई थी मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

गांव खरावड़ में सोमवार का दिन कभी न भूलने वाला बन गया। एक ही परिवार में कुछ ही घंटों के अंतराल में दो मौतों ने पूरे गांव को गहरे शोक में डुबो दिया। देर रात युवक सहिल की हार्ट अटैक से अचानक मौत हो गई, तो सुबह बीमारी के चलते उसके ताऊ धर्मबीर ने भी दम तोड़ दिया। इससे पहले इसी परिवार पर दुखों का पहाड़ तब टूटा था, जब कुछ दिन पहले सहिल के पिता की एक सड़क हादसे में मौत हो चुकी थी। लगातार तीन मौतों से परिवार पूरी तरह टूट चुका है और गांव में हर आंख नम है।

अचानक बिगड़ी साहिल की तबीयत

परिवार के अनुसार सहिल पूरी तरह स्वस्थ था और रोजमर्रा की तरह अपना कामकाज निपटा कर रात को सोया था। देर रात अचानक उसकी तबीयत बिगड़ी। परिजन उसे संभलने का मौका भी नहीं दे पाए कि हार्ट अटैक ने उसकी जान ले ली। युवक की अचानक मौत की खबर फैलते ही मोहल्ले में कोहराम मच गया। जिस घर में कुछ ही दिन पहले पिता की मौत का मातम था, उसी घर में फिर से चीख-पुकार गूंज उठी।

उठीं दो अर्थियां

सोमवार को गांव खरावड़ में ऐसा मंजर देखने को मिला, जिसने हर किसी का दिल दहला दिया। सहिल और धर्मबीर का अंतिम संस्कार एक ही दिन किया गया। श्मशान घाट तक पहुंचते-पहुंचते हर आंख भर आई।

परिवार और ग्रामीण बढ़ा रहे ढांढस

ग्रामीणों ने बताया कि कुछ दिन पहले सहिल के पिता की सड़क हादसे में मौत हो गई थी। उस हादसे से परिवार अभी उबर भी नहीं पाया था। घर में शोक का माहौल था, रिश्तेदार और ग्रामीण सांत्वना देने आ-जा रहे थे।

गणतंत्र दिवस की तैयारियों का अपडेट जाना

रोहतक। एडीसी नरेंद्र कुमार ने कहा कि 26 जनवरी गणतंत्र दिवस समारोह के भव्य आयोजन के लिए सभी विभाग अपने विभाग से संबंधित तैयारियां पूर्ण करें। समारोह में विभिन्न विभागों द्वारा आकर्षक झांकियां निकाली जाए। इसको लेकर सभी अधिकारी राष्ट्रीय पर्व के अनुरूप तैयारियां सुनिश्चित करें।

मकर संक्रांति पर वरिष्ठ नागरिकों को किया सम्मानित

रोहतक। दिल्ली रोड स्थित ओमेक्स सिटी में मकर संक्रांति पर वृद्ध सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व ओमेक्स सिटी के पूर्व प्रधान जे. एस. बूरा ने किया। समारोह का उद्देश्य भारतीय संस्कृति की मूल भावना, बुजुर्गों के प्रति सम्मान और आदर को समाज में पुनः सशक्त करना रहा। भौतिकवाद की दौड़ में परिवारों से बुजुर्गों को वह सम्मान नहीं मिल पा रहा, जिसके वे अधिकारी हैं। उन्होंने कहा कि समाज में वृद्धाश्रमों की बढ़ती संख्या इस बदलाव का गंभीर संकेत है। उन्होंने बताया कि युवाओं को अपनी संस्कृति और पारिवारिक मूल्यों से जोड़ने के उद्देश्य से यह आयोजन किया गया है। इसी सोच के तहत ओमेक्स सिटी में 75 वर्ष से अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों को सम्मानित किया गया।

गुरु रविदास जयंती समारोह 31 जनवरी को

रोहतक। भाजपा रोहतक के जिला प्रभारी (सभी प्रकोष्ठ) डॉ अशोक कुमार रंगा ने कहा कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की 649वीं जयंती सम्मान के साथ मनाएगी। उन्होंने कहा कि बताया कि समारोह 31 को कुरुक्षेत्र के उमरी में आयोजित किया जाएगा। समारोह में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी तथा केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे।

जीवन सफल बनाने के लिए सुनें भागवत कथा : वशिष्ठ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

जनता कॉलोनी में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के दौरान कथा व्यास सुनील वशिष्ठ ने कहा कि संतों का आगमन इस बात का संदेश देता है कि यह दुर्लभ मानव जीवन केवल भगवत भक्ति के लिए ही मिला है। उन्होंने कहा कि भागवत कथा इतनी दिव्य है कि इसे सुनने के लिए स्वयं देवी-देवता भी रूप बदलकर कथा स्थल पर पहुंचते हैं। प्रत्येक व्यक्ति को अपना जीवन सफल बनाने के लिए भागवत कथा अवश्य सुननी चाहिए। कथा व्यास सुनील वशिष्ठ ने भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का भावपूर्ण वर्णन करते हुए कहा कि इन लीलाओं को जितनी बार सुना जाए, उतनी ही बार कम है, क्योंकि हर बार भगवान की नई झलक और नया रस प्राप्त होता है। उन्होंने माता यशोदा को पुत्र प्रेम में भगवान का रस चखाने, माता देवकी-वासुदेव को साक्षात दर्शन देने, पुतना वध, माखन चोरी, गोवर्धन पर्वत को उंगली पर उठाकर इंद्र का मान भंग करने, कंस वध, रुक्मणी विवाह सहित अनेक दिव्य लीलाओं का विस्तार से वर्णन किया।

योजना टेंडर की फाइल अधिकारियों की टेबल पर पहुंची, जिप ने शुरू की प्रक्रिया

9.38 करोड़ से गावों में गलियां होंगी पक्की, चौपाल की मरम्मत और स्कूल के कमरों का भी होगा नवीनीकरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

जिला परिषद की गत बैठक में जिन कार्य का अनुमोदन पार्षदों द्वारा किया गया था, उन पर काम शुरू करने की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई। कार्य कराने के लिए टेंडर की फाइल अधिकारियों की टेबल पर पहुंच चुकी है। 9.38 करोड़ रुपये गांवों में गली पक्की करने, पशु अस्पताल, स्कूल कमरों का नवीनीकरण, सरकारी स्कूल का गेट बनाने, चौपाल की मरम्मत, शेड बनवाने, पशुओं के लिए खटकड़ समेत कई और दूसरे कामों पर खर्च किए जाएंगे। जिला परिषद की अगली बैठक संभवत फरवरी में हो सकती है। तब तक ये काम शुरू हो जाएंगे।

इसके अलावा जो काम पिछली बैठक में सदन स्वीकृत किए थे, वे इस समय करवाए जा रहे हैं। कुल मिलाकर जिला परिषद में राजनीतिक उठा-पटक नहीं है। ये गांवों के लिए काफी राहत वाली बात है। उम्मीद है कि हाउस की अगली बैठक फरवरी में हो सकती है। ध्यान रहे कि गांवों में कार्य तीन पंचायती राज संस्थाओं में द्वारा कराए जाते हैं। इनमें ग्राम पंचायत, पंचायत समिति और जिला परिषद है।

-: प्रमुख कार्य :-

गांव का नाम	खर्च राशि लाखों में	गांव का नाम	खर्च राशि लाखों में	गांव का नाम	खर्च राशि लाखों में
फरमाणा खास	16.9	इंद्रगढ़	5.9	रूड़की	4.98
भैणी भैरो	15.86	टिटौली	7.98	बखेता	17.02
सैमाण	20.76	सुंदरपुर	10.00	किलोई दोपाना	11.99
सैमाण खास	31.00	चमारिया	6.61	भालौठ	18.61
अजायब	35.00	खिडवाली	20.97	हसनगढ़	20.72
खरैंटी	5.00	घुसकानी	40.93	गांधरा	7.00
निंदाना तिगरी	8.00	धामड़	17.5	भैसरू खुर्द	7.1
बैंसी	11.00	रिटौली	13.6	इस्माईला 11बी	25.00
गुगाहेड़ी	4.00	कबूलपुर	12.00	सुंडाना	19.93
चिड़ी	11.00	मकड़ौली कलां	16.93	कबूलपुर	13.4
घरौंठी	12.95	किलोई	22.40	रिटौली	9.85
		हमायूंपुर	5.00	निगाना	15.00
		किलोई खास	13.29	गिरावड़	9.56

खबर संक्षेप

छात्राओं को व्यक्तित्व विकास के बारे में बताया

रोहतक। नेकी राम शर्मा राजकीय महाविद्यालय में वीरवार को महिला प्रकोष्ठ के तत्वावधान में छात्राओं के सर्वांगीण विकास एवं सशक्तिकरण के उद्देश्य से आठ दिवसीय ब्यूटी स्किल्स एवं सिलाई व कढ़ाई कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में प्रशिक्षक कविता व ब्यूटिशियन प्राची ने छात्राओं को व्यावसायिक कौशल, आत्मनिर्भरता व व्यक्तित्व विकास से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान कीं। उन्होंने छात्राओं को बताया कि आज के प्रतिस्पर्धात्मक युग में तकनीकी एवं व्यावसायिक कौशल न केवल रोजगार के अवसर प्रदान करते हैं, बल्कि आत्मविश्वास एवं स्वावलंबन की भावना को भी सुदृढ़ करते हैं।कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुरेन्द्र सांगवान के कुशल निर्देशन एवं मार्गदर्शन में किया गया।

नेत्रहीन बच्चों को वितरित किया प्रसाद

रोहतक। भारत विकास परिषद युवा शाखा की ओर से स्वामी विवेकानंद जयंती के उपलक्ष में सेवा सप्ताह पखवाड़ा चलाया जा रहा है। इसमें लोहड़ी के अवसर पर कपिल अंध विधयालय उदय फाउंडेशन घनीपुरा में 40 नेत्रहीन बच्चों को प्रसाद वितरण और मकर संक्रांति के अवसर पर चौ. लखी राम अनाथालय गोहाना रोड पर मूंगफली- रेवड़ी वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। दोनों कार्यक्रम रोटरी क्लब आफ प्रेसिडेंट डॉक्टर एसएल वर्मा के सौजन्य से किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष अमित मित्तल , कोषाध्यक्ष अक्षय गोयल, सहसचिव अमित नागपाल ,श्रेया गोयल, अंजु गोयल, उमा मित्तल व पूजा मौजूद रही।

पंडित श्रीराम शर्मा पार्क में किया ध्वजारोहण

रोहतक। स्वतंत्रता सेनानी एवं संविधान निर्माण सभा के सदस्य पंडित श्रीराम शर्मा पार्क में एसडीएम एवं एचएसवीपी संपदा अधिकारी आशीष शर्मा मुख्य अतिथि की मौजूदगी में पंडित राम शर्मा के पौत्र अंशु शर्मा, दोहता कुलदीप शर्मा, दोहता प्रवीण शर्मा द्वारा तिरंगा झंडा का ध्वजारोहण किया गया। पंडित राम शर्मा विचार मंच के अध्यक्ष डॉ अशोक दीक्षित ने बताया 104 साल पहले पंडित राम शर्मा ने झज्जर टाउन हॉल से अंग्रेजी झंडा उतार कर तिरंगा झंडा फहराया था। उन्होंने बताया 35 फीट ऊंचा तिरंगा झंडा फहराया गया। उपाध्यक्ष रणधीर भारद्वाज , ईश्वर मालिक, धर्म सिंह प्रजापति, अनूप डागर, सत्यवान राजा, चंद्रभान अत्री, सांसी समाज के प्रधान रमेश ठेकेदार, ज्ञानी राम भारद्वाज, नफे सिंह कौशिक, दुर्गा भवन के प्रधान ओमप्रकाश शर्मा, डॉ सुरेश नांदल, पंडित राम शर्मा पार्क समिति के अध्यक्ष राजेंद्र तोमर, सतीश प्रकाश पहरावर, डॉक्टर अमित भारद्वाज, अमन भारद्वाज, रविंद्र दीक्षित, नवीन मसूदपुर, आशुतोष कौशिक, शहर के मुख्य व्यक्ति मौजूद थे।

नौकरी देने वाला बनने की सोच विकसित करें: प्रो. अमित

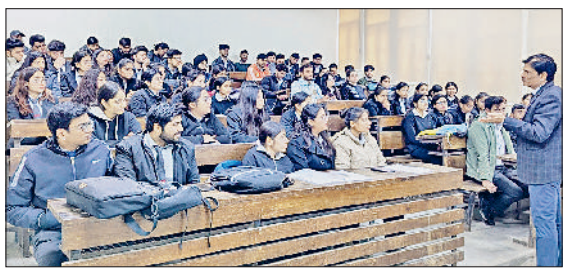

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) के प्रबंधन अध्ययन एवं अनुसंधान संस्थान (इमसार) में वीरवार को विद्यार्थियों को उद्यमिता और स्टार्टअप संस्कृति से जोड़ने के उद्देश्य से एक्सटेंशन लेक्चर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में चितकारा विवि पंजाब के प्रो-वाइस चांसलर प्रो. अमित मित्तल ने आइडिया से एग्जीक्यूशन तक एक विद्यार्थी की उद्यमशील यात्रा विषय पर व्याख्यान दिया। कहा कि आज के दौर में नौकरी मांगने वाला नहीं, बल्कि नौकरी देने वाला बनने की सोच विकसित करनी होगी। प्रो. मित्तल ने स्टार्टअप शुरू करने की पूरी प्रक्रिया, आइडिया, मार्केट वैलिडेशन, फंडिंग, क्रियान्वयन और विस्तार पर सरल शब्दों में जानकारी दी। उन्होंने वास्तविक स्टार्टअप अनुभवों के उदाहरण देते हुए नवाचार, जोखिम लेने, धैर्य और असफलताओं से सीखने के महत्व पर जोर दिया। निदेशक प्रो. प्रदीप के. अहलावत ने कहा कि केवल किताबी ज्ञान से ही सफलता संभव नहीं है, इसके लिए व्यावहारिक अनुभव और गतिविधि-आधारित शिक्षा जरूरी है।

11 पूर्व सैनिक वीरता पदकों से सम्मानित

रोहतक। उपायुक्त सचिन गुप्ता ने 14 जनवरी को 10वें सशस्त्र बल पूर्व सैनिक दिवस समारोह में 11 पूर्व सैनिकों को वीरता पदकों से सम्मानित किया। सैनिक एवं अर्धसैनिक कल्याण विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में वीरता पदकों से अनु दहिया पत्नी स्वर्गीय मेजर राजीव दहिया शौर्य चक्र एवं सेना मेडल, धनकौर पत्नी स्वर्गीय मेजर के एस बुधवार सेना मेडल, संतोष पत्नी स्वर्गीय नायक रणधीर सिंह सेना मेडल, ब्रिगेडियर हरबीर सिंह सेना मेडल, ओ फ्लाइंग ऑफिसर महावीर सिंह पिता कर्नल परवीन वीर चक्र मेंशन इन डिस्पैच, बिग्रेडियर जेएस बुधवार सेना मेडल, हवलदार धर्मवीर सेना मेडल, मानद कप्तान रमेश कुमार सेना मेडल, हवलदार दिलबाग सिंह सेना मेडल, हवलदार ओम प्रकाश सेना मेडल एवं नायक जगबीर सिंह सेना मेडल से सम्मानित किए गए।

मकर संक्रांति पर जरूरतमंदों को बांटे कंबल

रोहतक। मकर संक्रांति के पावन अवसर पर समाजसेवा की एक सराहनीय मिसाल पेश करते माइक्रोन ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज के सीएमडी एवं माइक्रोन पृथ्वी फाउंडेशन के चेयरमैन रोमेश विग ने किशनपुरा क्षेत्र में जरूरतमंद परिवारों को कंबल वितरित किए। यह सेवा कार्य अभिनव टोली के सहयोग से संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान ठंड से प्रभावित गरीब एवं असहाय परिवारों को कंबल वितरित किए गए, जिससे उन्हें सर्द मौसम में राहत मिल सके। इस अवसर पर अभिनव टोली के अध्यक्ष जगदीप जुगनू ने रोमेश विग का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया और समाज के प्रति उनके निरंतर योगदान की सराहना की। जगदीप ने बताया कि अभिनव टोली में इन परिवारों के बच्चों को मुफ्त शिक्षण और प्रशिक्षण का कार्य किया जा रहा है।

अच्छा नागरिक बनाने की जिम्मेदारी शिक्षकों की: गुप्ता

रोहतक। उपायुक्त सचिन गुप्ता ने विद्यार्थियों को काबिलियत के हिसाब से उनके मुकाम तक पहुंचाने का आह्वान किया है। उपायुक्त आज उड़ान शिक्षा की, संकल्प शिक्षा का शिक्षण संवाद सशक्तिकरण एवं सम्मान महोत्सव 2025-26 में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित शिक्षकों को संबोधित कर रहे थे। गुप्ता ने कहा कि विद्यार्थियों को केवल अच्छे अंक अथवा प्रतिशत तक सीमित नहीं रखना है बल्कि उन्हें एक अच्छा नागरिक बनाने की जिम्मेदारी भी शिक्षकों की है। कहा कि शिक्षकों को चाहिए कि वे अपने विद्यार्थियों को न केवल उनके मुकाम तक पहुंचाए बल्कि अपने लक्ष्य को प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को यह अहसास भी अवश्य हो कि उसके शिक्षक ने उसे एक कदम आगे बढ़ाने का कार्य किया है।

खबर संक्षेप

पुलिस कर्मचारियों ने किया सूर्य नमस्कार का अभ्यास

महम। हरियाणा योग आयोग के सूर्य नमस्कार के प्रोजेक्ट चेयरमैन के निर्देश पर महम थाने में पुलिसकर्मियों को सूर्य नमस्कार का अभ्यास करवाया गया। योग शिक्षक विकास सिवाच ने वीरवार को महम थाने में कर्मचारियों को सूर्य नमस्कार करवाया और उनको योग और स्वास्थ्य संबंधी टिप्स दिए।

कंपनी ज्वाइन कराने का लालच देकर ठगी

सांपला। कस्बे की एक महिला सुमन से ठगों ने घर बैठे हजारों रुपये प्रति दिन कमाने का लालच देकर 50 हजार रुपये ठग लिए। पुलिस ने सुमन के बयान पर अज्ञात ठगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। ठगी की शिकार हुई महिला ने बताया कि उसके पास वाट्सएप काल आई। उन्होंने कहा कि हमें कंपनी चला रखी है। आप हम से जुड़कर प्रति दिन एक से दो हजार रुपये कमा सकती हो। पहले उन्हें एक लिंक भेजा। लिंक को क्लिक करने के बाद उन्होंने 50 हजार रुपये ठग लिए।

सितेंद्र नहरा बने महम के खंड शिक्षा अधिकारी

महम। सितेंद्र नहरा को पदोन्नति के बाद महम का खंड शिक्षा अधिकारी नियुक्त किया गया है। वीरवार को उन्होंने अपना पदभार ग्रहण कर लिया है। सितेंद्र नहरा इससे पूर्व हांसी जिले के नारनौंद उपमंडल के गांव लोहारी राघो के सरकारी स्कूल में प्रिंसिपल के पद पर कार्यरत थे।

स्वयंसेवकों को एड्स के प्रति जागरूक किया

रोहतक। पीएम श्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मॉडल टाउन में चल रहे एनएसएस शिविर के छठे दिन की शुरुआत स्वयं सेवकों ने प्रार्थना व योग से की। इसके बाद पीजीआई की डॉ. दीपाली ने स्वयंसेवकों को एड्स के प्रति जागरूक किया। महिलाओं से सबंधित बीमारियों और उनके उपचार के बारे में जानकारी दी।

ड्रेनेज सिस्टम पूरी तरह ठप होने से बिगड़ रहे हालात

एचएसवीपी सेक्टरों में खाली प्लॉट बने मुसीबत झाड़ियों व जलभराव से बीमारियों का बढ़ा खतरा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) के तहत आने वाले सेक्टरों में खाली पड़े प्लॉट अब आमजन के लिए गंभीर समस्या बनते जा रहे हैं। इन प्लॉटों की नियमित सफाई और देखरेख न होने के कारण वहां झाड़ियां, कंटीली बेलें और बड़ी-बड़ी घास उग आई हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि इन खाली प्लॉटों में जहरीले जीव-जंतु जैसे सांप, बिच्छू और मच्छर पनप रहे हैं, जिससे बच्चों, बुजुर्गों और राहगीरों की सुरक्षा पर खतरा मंडरा रहा है।

बरसात के मौसम में स्थिति और भी बदतर हो जाती है। खाली प्लॉटों में जलभराव होने से वहां गंदा पानी जमा हो जाता है, जो मच्छरों के पनपने के लिए अनुकूल वातावरण बनाता है। इससे डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि कई सेक्टरों में ड्रेनेज सिस्टम पूरी तरह से ठप पड़ा हुआ है, जिससे बारिश का पानी निकल नहीं पाता और हफ्तों तक प्लॉटों में भरा रहता है। लोगों का आरोप है कि इस समस्या को लेकर एचएसवीपी अधिकारियों और संबंधित विभागों को कई बार शिकायतें दी गई हैं, लेकिन आज तक कोई ठोस समाधान नहीं किया गया।

प्रशासन से कार्रवाई की मांग

सेक्टरवासियों ने मांग की है कि एचएसवीपी खाली पड़े प्लॉटों की नियमित निगरानी करे और जिन प्लॉट मालिकों द्वारा नियमों का उल्लंघन किया जा रहा है, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करे। साथ ही सेक्टरों के ड्रेनेज सिस्टम को जल्द से जल्द दुरुस्त किया जाए ताकि बारिश के समय जलभराव की समस्या से राहत मिल सके। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते इस समस्या का समाधान नहीं किया गया तो यह भविष्य में एक बड़ी स्वास्थ्य और सुरक्षा समस्या का रूप ले सकती है।

लिया जाएगा संज्ञान

ड्रेनेज सिस्टम सेक्टरों का निगम के पास है। वहीं इसकी देखरेख करते है। हालांकि विभाग प्लाट मालिकों को नोटिस भी भेजता है। ताकि वह अपने प्लाट की मेटेंनेंस देख सकें। अगर फिर भी इस तरह की समस्या है तो इस पर जरूर संज्ञान लिया जाएगा। आमजन को परेशान नहीं किया जाएगा।
-जगमाल, कार्यकारी अभियंता, एचएसवीपी

खाली प्लॉटों को लेकर क्या कहता है नियम

एचएसवीपी के नियमों के अनुसार, सेक्टरों में स्थित खाली प्लॉटों की साफ-सफाई और रखरखाव की जिम्मेदारी संबंधित प्लॉट मालिक की होती है। नियमों में यह स्पष्ट किया गया है कि प्लॉट मालिक को अपने प्लॉट में झाड़ियां, घास और गंदगी नहीं जमा होने देनी चाहिए। यदि किसी प्लॉट से आसपास के लोगों को असुविधा होती है या स्वास्थ्य संबंधी खतरा पैदा होता है, तो एचएसवीपी उस प्लॉट की सफाई करवा सकता है और उसका खर्च प्लॉट मालिक से वसूल सकता है। इसके अलावा, बारिश के मौसम में जलभराव की समस्या से निपटने के लिए प्लॉट मालिकों को उचित जल निकासी की व्यवस्था करनी होती है। नियमों के उल्लंघन की स्थिति में प्राधिकरण द्वारा नोटिस जारी करने और जुर्माना लगाने का भी प्रावधान है।

जागरूकता अभियान, इन्फ्लूएंसर व गाने भी बेअसर, जमीनी हकीकत जस की तस

आखिर कैसे सुधरेगी रैंकिंग, हर तरफ कूड़े के ढेर, सवालों के घेरे में सफाई व्यवस्था

नगर निगम ने कूड़ा निपटान को लेकर हर स्तर पर प्रयास किए, डोर-टू-डोर कलेक्शन, जागरूकता अभियान, चालान और साफ-सफाई को लेकर लगातार अपीलें की, लेकिन धरातल पर परिणाम जीरो

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

शहर की स्वच्छता रैंकिंग को बेहतर बनाने के लिए नगर निगम लगातार प्रयास कर रहा है, लेकिन जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल अलग नजर आ रही है। शहर के अनेक इलाकों में आज भी जगह-जगह कूड़े के ढेर दिखाई दे जाते हैं, जो न केवल शहर की सुंदरता पर दाग लगा रहे हैं बल्कि स्वच्छता रैंकिंग पर भी सीधा असर डाल रहे हैं। ऐसे में सवाल उठना लाजमी है कि जब सड़कों, खाली प्लॉटों और कॉलोनियों के कोनों में कूड़ा जमा रहेगा तो शहर की स्वच्छता रैंकिंग आखिर कैसे सुधरेगी।

नगर निगम द्वारा कूड़ा निपटान को लेकर हर स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं। डोर-टू-डोर कलेक्शन, जागरूकता अभियान, चालान की कार्रवाई और साफ-सफाई को लेकर लगातार अपीलें की जा रही हैं। निगम ने आमजन को जागरूक करने के लिए सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसरों का सहारा लिया, वहीं प्रसिद्ध सिंगर अमित सैनी रोहतकिया से स्वच्छता पर आधारित गाना भी शूट करवाया गया ताकि लोगों में साफ-सफाई के प्रति भावनात्मक जुड़ाव पैदा हो सके। इन तमाम प्रयासों के बावजूद कूड़े का समुचित निपटान अब तक पूरी तरह से नहीं हो पाया है। कई स्थानों पर कूड़ा उठाने की गाड़ियां समय पर नहीं पहुंचतीं, तो कहीं लोग खुले में कूड़ा फेंकने से बाज नहीं आ रहे। खासकर बाजार क्षेत्रों, झुग्गी-झोपड़ी इलाकों और खाली प्लॉटों के आसपास कूड़े के ढेर आम समस्या बने हुए हैं। इससे बदबू, मच्छरों और बीमारियों का खतरा भी बढ़ रहा है।

रोहतक। जगह-जगह कुछ इस तरह से बिखरा दिखाई देता है कूड़ा। फोटो : हरिभूमि

निगम बनाम नागरिक जिम्मेदारी

हालांकि नगर निगम का कहना है कि अकेले प्रशासन के प्रयासों से स्वच्छता लक्ष्य हासिल नहीं किए जा सकते। जब तक आमजन अपनी जिम्मेदारी नहीं समझेगा, तब तक शहर को साफ रखना मुश्किल है। निगम की ओर से कूड़ा फैलाने वालों पर जुर्माने भी लगाए जा रहे हैं, लेकिन यह कार्रवाई सीमित क्षेत्रों तक ही सिमटकर रह जाती है। अब जरूरत है कि निगम और नागरिक मिलकर जिम्मेदारी निभाएं, तभी शहर वास्तव में स्वच्छ बन पाएगा और स्वच्छता रैंकिंग में सुधार संभव हो सकेगा।

नगर निगम की अब तक की राष्ट्रीय स्तर पर रैंकिंग

वर्ष	रैंक
2016	288वीं
2017	295वीं
2018	89वीं
2019	69वीं
2020	35वीं
2021	49वीं
2022	38वीं
2023	109वीं
2024	25 वीं

रैंकिंग पर सीधा असर

स्वच्छ भारत मिशन के तहत होने वाली रैंकिंग में शहर की साफ-सफाई, कूड़ा प्रबंधन और नागरिक सहभागिता को प्रमुख आधार माना जाता है। ऐसे में खुले में पड़े कूड़े के ढेर शहर की रैंकिंग को लगातार नीचे धकेल रहे हैं। जानकारों का मानना है कि जब तक कूड़ा प्रबंधन व्यवस्था को मजबूत करने के साथ-साथ नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित नहीं की जाएगी, तब तक जागरूकता अभियान और प्रचार-प्रसार केवल औपचारिकता बनकर रह जाएंगे।

मिला था 25वां रैंक

स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 में रोहतक शहर राष्ट्रीय स्तर पर रिकॉर्ड 25वें स्थान पर पहुंच गया था। दूसरी तरफ प्रदेश के अंदर सबसे स्वच्छ शहर पहले स्थान से लुढ़क कर 5वें पायदान पर पहुंच गया। केंद्र की तरफ से स्वच्छता सर्वेक्षण-2024 कराया गया था, जिसमें करीब 4 हजार 589 छोटे-बड़े शहरों को शामिल किया गया था। सर्वेक्षण में नगर निगम रोहतक ने राष्ट्रीय स्तर पर 84 अंकों की छलांग लगाते हुए 25वां व प्रदेश में पांचवां स्थान हासिल किया था। जबकि 3 से 10 लाख की जनसंख्या वाले शहरों में प्रदेश स्तर पर पहला स्थान मिला है। केंद्र सरकार की स्टार रेटिंग प्रणाली के तहत रोहतक को 1-स्टार रेटिंग से सम्मानित किया गया है और पहली बार इसे वाटर प्लस शहर के रूप में मान्यता मिली थी।

जुलाहा चौक पर दूषित पेयजल से बढ़ी परेशानी

पार्षद भी नहीं करवा पा रहे समस्या का समाधान

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

शहर के जुलाहा चौक क्षेत्र में दूषित पेयजल की आपूर्ति से लोगों की परेशानी लगातार बढ़ती जा रही है। क्षेत्र में कई दिनों से नलों में गंदा और बदबूदार पानी आ रहा है, जिससे लोगों को पीने के पानी के साथ-साथ दैनिक उपयोग में भी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। हालात यह हैं कि स्थानीय पार्षद भी इस समस्या का स्थायी समाधान नहीं करवा पा रहे हैं, जिससे लोगों में रोष बढ़ता जा रहा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि नलों से कभी पीले तो कभी काले रंग का पानी आ रहा है। कई बार पानी में कीड़े और मिट्टी जैसी गंदगी भी दिखाई देती है। इसके बावजूद विभाग की ओर से केवल आश्वासन ही दिए जा रहे हैं। जनस्वास्थ्य विभाग का कहना है कि क्षेत्र की पाइपलाइन कई साल पुरानी हो चुकी है और इसी कारण यह समस्या उत्पन्न हो रही है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार पाइपलाइन को बदलने की योजना बनाई गई है, लेकिन अभी तक इस पर काम शुरू नहीं हो सका है।

स्थानीय लोगों ने मांग की है कि जुलाहा चौक क्षेत्र की पुरानी पाइपलाइन को जल्द से जल्द बदला जाए और तब तक स्वच्छ पेयजल की वैकल्पिक व्यवस्था की जाए, ताकि लोगों को इस गंभीर समस्या से राहत मिल सके।

दूषित पानी पीने से कई लोग बीमार

स्थानीय निवासी संतोष देवी ने बताया कि दूषित पानी पीने से कई लोग बीमार हो चुके हैं। बच्चों और बुजुर्गों को पेट दर्द, उल्टी और दस्त जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि कई बार शिकायत करने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई।

केवल भरोसा मिला समाधान नहीं हुआ

कृष्णा देवी ने बताया कि कॉलोनी निवासी पानी की समस्या को लेकर वे पार्षद और विभागीय अधिकारियों से मिल चुके हैं, लेकिन हर बार केवल जल्द समाधान का भरोसा ही दिया जाता है। समस्या का जल्द समाधान होना चाहिए।

बाजार से खरीदना पड़ रहा पीने का पानी

रीटा देवी ने बताया कि दूषित पेयजल के कारण घरों में खाना बनाना भी मुश्किल हो गया है। मजबूरी में लोगों को बाजार से पीने का पानी खरीदना पड़ रहा है, जिससे अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है।

मासिक धर्म जागरूकता अभियान चलाया

रोहतक। मेडिकल सर्विस सेंटर की टीम ने शहर के झुग्गी-झोपड़ी क्षेत्र में 14 जनवरी को चौथी बार मासिक धर्म को लेकर जागरूकता अभियान एवं सेनेटरी पैड वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अभियान का उद्देश्य महिलाओं और किशोरियों को मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता के महत्व के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम के दौरान एमएससी के जनरल सेक्रेटरी डॉ. सचिन ने बताया कि झुग्गी बस्तियों की अधिकांश महिलाएं अभी भी माहवारी के दौरान कपड़े का इस्तेमाल करती हैं, जिसके कारण संक्रमण एवं अन्य स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न होती हैं। उन्होंने कहा कि अब कई महिलाएं सेनेटरी पैड का उपयोग करने के लिए जागरूक हो रही हैं। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को निःशुल्क सेनेटरी पैड वितरित किए गए तथा मासिक धर्म के समय साफ-सफाई बनाए रखने, सेनेटरी पैड के सही उपयोग और सुरक्षित निस्तारण के बारे में जानकारी दी गई।

गाड़ी सवार 4 युवक नशीले पदार्थ सहित पकड़े

रोहतक। पुलिस की एएनसी स्टाफ टीम ने गश्त के दौरान बड़ी कार्रवाई करते हुए गाड़ी सवार चार युवकों को नशीले पदार्थ सहित गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 6 ग्राम हेरोइन, पांच मोबाइल फोन और 3750 रुपये नकद बरामद किए गए हैं। एएनसी स्टाफ के प्रभारी पीएसआई मनोज ने बताया कि सहायक उप निरीक्षक राजेश के नेतृत्व में एएनसी स्टाफ की टीम गांव भाली बस स्टैंड के पास गश्त पर मौजूद थी। इसी दौरान टीम को गुप्त सूचना मिली कि चरखी दादरी निवासी कुछ युवक एक गाड़ी में अवैध नशीला पदार्थ लेकर रोहतक से कलानौर की ओर जाने वाले हैं। एक गाड़ी को शक के आधार पर रोककर उसमें सवार चार युवकों को काबू किया गया। पुलिस पूछताछ में आरोपियों की पहचान अमित पुत्र रमेश और संदीप पुत्र प्यारेलाल निवासी गांव गामड़ी, जिला चरखी दादरी तथा मोनु पुत्र रामनिवास और योगेश पुत्र राजेश निवासी गांव लाम्बा कोहलास, जिला चरखी दादरी के रूप में हुई। नियमानुसार तलाशी लेने पर गाड़ी चालक अमित के पास से एक आईफोन और 6 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। वहीं संदीप, मोनु और योगेश के पास से एक-एक मोबाइल फोन बरामद किया गया। इसके अलावा गाड़ी से एक अतिरिक्त मोबाइल फोन, चांदी की पायल और 3750 रुपये नकद भी बरामद हुए। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ थाना बहुअकबरपुर में एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज करके गिरफ्तार किया।

- 6 ग्राम हेरोइन, 5 मोबाइल फोन व 3750 रुपये नकद बरामद

विद्यार्थियों को यातायात नियमों के प्रति किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

पुलिस द्वारा राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत आमजन और विद्यार्थियों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इसी कड़ी में जिला यातायात पुलिस की ओर से भगवान महावीर जैन लाइब्रेरी में विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों को मोटर वाहन अधिनियम और सड़क सुरक्षा नियमों की जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में आरटीए विरेंद्र सिंह एचसीएस मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। यातायात पश्चिम के प्रभारी निरीक्षक जसबीर सिंह ने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए युवाओं और छात्रों को शुरू से ही यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि नियमों का पालन केवल चालान से बचने के लिए नहीं, बल्कि अपने जीवन और दूसरों की सुरक्षा के लिए किया जाना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान सहायक उप निरीक्षक राजेश ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वाहन चलाते समय हेलमेट, सीट बेल्ट जैसे सुरक्षा उपकरणों का प्रयोग अनिवार्य रूप से करें।

उन्होंने वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग न करने, ट्रैफिक सिग्नल का पालन करने और यातायात ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मियों के निर्देशों की पालना करने पर विशेष जोर दिया। विद्यार्थियों को मोटर वाहन अधिनियम के प्रावधानों की जानकारी दी गई। इस अवसर पर उप निरीक्षक अमर कटारिया, यातायात स्टाफ से सहायक उप निरीक्षक राजेश, सुभाष गुप्ता तथा आईडीटीआर की टीम मौजूद रही।

रोहतक। विद्यार्थियों को यातायात नियमों की पालना करने की शपथ दिलाते मुख्य अतिथि आरटीए विरेंद्र सिंह एचसीएस, यातायात प्रभारी निरीक्षक जसबीर सिंह व सुभाष गुप्ता।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5X8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400
मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

कौन लेगा बुराई करने का जोखिम 98% से अधिक लोगों ने जताई पुलिस कार्यप्रणाली पर संतुष्टि

क्यूआर कोड पर पुलिस को मिल रही वाहवाही

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

आखिर पुलिस के खिलाफ शिकायत कौन करेगा। यह तो बिल्ली के गले में घंटी बांधने के समान होगा। इसलिए पुलिस को क्यूआर कोड पर वाहवाही मिल रही है। वहीं, पुलिस का दावा है कि थानों में लगाए गए पुलिस फीडबैक क्यूआर कोड से आमजन की आवाज सीधे एसपी कार्यालय तक पहुंच रही है और उनकी शिकायतों पर तुरंत एक्शन लिया जाता है। क्यूआर कोड 77 दिनों में 3,143 पीड़ितों और शिकायतकर्ताओं ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर अपनी राय दी है। जिसमें से 98% से अधिक लोगों ने पुलिस के कामकाज पर संतोष जताया है। एसपी सुरेन्द्र सिंह भौरिया ने बताया कि 31 अक्टूबर 2025 को रोहतक पुलिस ने यह फीडबैक क्यूआर कोड सिस्टम लागू किया गया था। इसका उद्देश्य थाने में आने वाले पीड़ितों के अनुभवों को जानना और पुलिसिंग को जनहितैषी, पारदर्शी और जवाबदेह बनाना है।

77 दिनों में 3,143 लोगों ने दी प्रतिक्रिया, एसपी तक पहुंच रही जनता की आवाज

एसपी सुरेन्द्र भौरिया के अनुसार सभी थानों व पुलिस चौकियों में फीडबैक क्यूआर कोड स्कैनर लगाए गए हैं। इसके माध्यम से थाने में आने वाला कोई भी पीड़ित या शिकायतकर्ता पुलिस के व्यवहार, कार्यप्रणाली, थाने के माहौल व शिकायत की पारदर्शिता को लेकर प्रतिक्रिया दर्ज कर सकता है। 31 अक्टूबर 2025 से 15 जनवरी 2026 तक कुल 3,143 व्यक्तियों ने क्यूआर कोड स्कैन कर फीडबैक दिया। इनमें से 98.24 प्रतिशत शिकायतकर्ताओं ने पुलिस की कार्यप्रणाली को संतोषजनक बताया, जबकि कई थानों और चौकियों में यह आंकड़ा 100 प्रतिशत तक पहुंच गया।

एसपी बोले, फीडबैक पर होती है तुरंत कार्रवाई

एसपी सुरेन्द्र सिंह भौरिया ने बताया कि फीडबैक सबमिट होते ही वह सीधे फीडबैक सेल, एसपी कार्यालय में पहुंचता है। वहां से संबंधित शिकायतकर्ता को वेरिफिकेशन के लिए कॉल की जाती है और सुझाव या शिकायत के आधार पर तुरंत आवश्यक कार्रवाई की जाती है। उन्होंने बताया कि इस व्यवस्था से पुलिसकर्मियों की जवाबदेही तय हुई है और थानों में कामकाज के स्तर में भी सुधार देखने को मिल रहा है।

पारदर्शी पुलिसिंग की दिशा में बड़ा कदम

पुलिस का फीडबैक क्यूआर कोड सिस्टम पुलिस और जनता के बीच भरोसा मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। जिस तरह बड़ी संख्या में लोग फीडबैक दे रहे हैं और संतोष जता रहे हैं, उससे यह साफ है कि पुलिसिंग में सकारात्मक बदलाव महसूस किया जा रहा है।

इन थानों और चौकियों का रहा 100 प्रतिशत फीडबैक

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार थाना कलानौर, पुलिस चौकी किला रोड, टिटौली, मॉडल टाउन, सल्लारा मोहल्ला और सुखपुरा में आने वाले सभी शिकायतकर्ताओं ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर पूर्ण संतोष व्यक्त किया। वहीं, सबसे अधिक फीडबैक देने के मामले में थाना सांपला पहले स्थान पर रहा, जहां 696 व्यक्तियों ने अपनी राय दर्ज कराई। थाना शिवाजी कॉलोनी में 528, आईएमटी में 351, सदर रोहतक में 225, महम में 234, पुरानी सब्जी मंडी में 216 और पुलिस चौकी टिटौली में 209 व्यक्तियों ने फीडबैक दिया।

यह है फीडबैक देने की प्रक्रिया

पुलिस द्वारा जारी जानकारी के अनुसार फीडबैक प्रक्रिया पूरी तरह सरल और डिजिटल है। शिकायतकर्ता जैसे ही क्यूआर कोड स्कैन करता है, उसके मोबाइल पर एक गूगल डॉक फॉर्म खुलता है। इसके बाद थाने के वातावरण, सुरक्षा की भावना, पुलिसकर्मियों के व्यवहार और शिकायत निपटान की प्रक्रिया को 1 से 5 रेटिंग स्केल पर आंकना होता है। अंत में शिकायतकर्ता यह भी बता सकता है कि उसकी समस्या का समाधान उसकी उम्मीद के अनुसार हुआ या नहीं, साथ ही कोई सुझाव भी लिख सकता है।

समाधान शिविरों से जनता का प्रशासन पर भरोसा बढ़ा

रोहतक। समाधान शिविर में लोगों की समस्याएं सुनते उपायुक्त सचिन गुप्ता। फोटो : हरिभूमि

रोहतक। सरकार की पहल पर प्रदेशभर में आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए आयोजित किए जा रहे समाधान शिविर अभियान के तहत वीरवार को लघु सचिवालय के सभागार में समाधान शिविर का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता उपायुक्त सचिन गुप्ता ने की। इस मौके पर उन्होंने बताया कि प्रशासन द्वारा आयोजित समाधान शिविर आम जनता की समस्याओं के त्वरित और प्रभावी समाधान का सशक्त माध्यम बनते जा रहे हैं। शिविरों के माध्यम से नागरिकों को विभिन्न सरकारी एवं प्रशासनिक विभागों से जुड़ी सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे उन्हें बार-बार कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ते। डीसी ने सभी विभागों के अधिकारियों की उपस्थिति में एक-एक आवेदक की बात गंभीरता से सुनी और मौके पर मौजूद संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। डीसी ने अधिकारियों को समस्याओं के शीघ्र, पारदर्शी एवं प्रभावी समाधान के लिए तत्परता से कार्य करने को कहा। ध्यान रहे कि जिला प्रशासन हर सोमवार और वीरवार को सुबह 10 से 12 बजे तक लघु सचिवालय में जनता की समस्याएं सुनी जाती हैं। वीरवार के शिविर में नगराधीश अंकित कुमार, सचिव आरटीए विरेंद्र सिंह ढुल, जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी राजपाल चहल आदि अधिकारीगण मौजूद रहे।